सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 281 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 20 नवम्बर, 2023
मूल्य ₹ 3/-

सफलता उन्हें मिलती है, जो निडर होकर फैसला लेते हैं और परिणामों से नहीं घबराते।
-पंडित जवाहरलाल नेहरू

पार्टी के लिए एक-एक वोट... 2 | 2024 में अखिलेश की साइकिल... 3 | डबल इंजन की सरकार को 24... 7

टीम इंडिया की हार पर सियासी तकरार

विपक्ष ने पीएम मोदी को स्टेडियम जाने पर घेरा, कांग्रेस बोली- कपिल देव को आमंत्रित न करना शर्मनाक

» शिवसेना उद्धव गुट ने कहा- बीजेपी पर्दे के पीछे गेम प्लान चला रही थी

» सभी दलों ने टीम इंडिया के जज्बे को किया सलाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वर्ल्ड कप में हार से जहां पूरा देश मायूस है वहीं इसको लेकर राजनीति भी शुरू हो गई है। जहां पीएम के फाइनल में पहुंचने पर विपक्ष ने हमला किया है वहीं पूर्व कप्तान कपिल देव के न बुलाए जाने पर बीसीसीआई पर भी सवालिया निशान लगाया है। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्हें अहमदाबाद में क्रिकेट विश्व कप का फाइनल मैच देखने जाने का समय मिल गया, लेकिन उन्होंने हिंसा प्रभावित मणिपुर का दौरा अभी तक नहीं किया है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री की प्राथमिकताएं स्पष्ट हैं। वहीं शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने पीएम मोदी के मैच देखने पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि बीजेपी पर्दे के पीछे गेम प्लान चला रही थी कि भारतीय टीम जीते तो नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खुद पीएम मोदी मौजूद हों, राउत ने कहा कि अगर आप कपिल देव को नहीं बुलाते हैं, तो ये क्रिकेट किस तरह से हुआ, ये तो राजनीति हुई।

ज्ञात हो कि आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप के फाइनल मुकाबले में भारत को ऑस्ट्रेलिया के हाथों छह विकेट से हार मिली है। गुजरात के अहमदाबाद में स्थित नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हुए इस मैच को देखने के लिए देशभर से वीआईपी पहुंचे थे। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह भी टीम इंडिया को सपोर्ट करने के लिए स्टेडियम गए थे। दरअसल, भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और भारत को पहला वर्ल्ड कप जीतने वाले कपिल देव ने कहा है कि उन्हें मैच देखने के लिए आमंत्रित नहीं किया गया।

हार का असर सबके दिल पर : संजय राउत

संजय राउत ने कहा कि एक्टर्स को मैदान में मैच देखने के लिए बुलाया गया, नेताओं को बुलाया गया। मगर कपिल देव को फाइनल देखने के लिए आमंत्रित नहीं किया गया। उन्होंने अहमदाबाद के क्रिकेट फैन्स पर भी सवाल उठाया और कहा कि जिस तरह से इंग्लैंड में लॉर्ड्स का मैदान है, वैसे ही मुंबई में वानखेड़े स्टेडियम है, मैच वानखेड़े जैसे स्टेडियम में होना था, जहां टीम को ज्यादा सपोर्ट मिलता। उन्होंने कहा कि भारत की हार का असर सबके दिल पर हुआ है।

कपिल देव को न बुलाना राजनीति : कांग्रेस

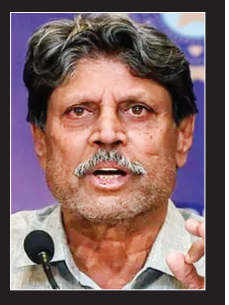

पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव को फाइनल मैच में नहीं बुलाने को लेकर कांग्रेस भी हमलावर है, महाराष्ट्र के विपक्ष के नेता और कांग्रेस विधायक विजय वडेट्टीवार ने कहा, आज के समय में हर जगह राजनीति हो रही है, फिर क्रिकेट को कैसे छोड़ा जा सकता है? यहां पर भी राजनीति हो रही है, यही वजह है कि कपिल देव को आमंत्रण नहीं दिया गया। बता दें कि भारत को फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया के हाथों छह विकेट से मिली हार का सामना करना पड़ा है। बता दें कि क्रिकेट वर्ल्ड कप के फाइनल में कई हाई प्रोफाइल लोग नजर आए। जिनमें बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह आदि का नाम शामिल है। पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष होने के नाते पूर्व कप्तान सौरभ गांगुली को भी आमंत्रित किया गया था। वहीं कपिल देव ने उन्हें वर्ल्ड कप के लिए नहीं बुलाए जाने पर निराशा व्यक्त की। कपिल देव साल 1983 में क्रिकेट वर्ल्डकप जीतने वाली टीम के कप्तान हैं। जिसमें भारतीय टीम ने सभी को चौंकाते हुए इंग्लैंड के लॉर्ड्स मैदान पर वेस्टइंडीज को हराकर विश्वकप जीता था। कपिल देव के खुलासे के बाद सोशल मीडिया पर भी यूजर्स ने बीसीसीआई अधिकारियों की आलोचना की है।

हम हमेशा आपका उत्साहवर्धन करेंगे : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने टीम ऑस्ट्रेलिया को बधाई देते हुए कहा, ''भारत ने अच्छा खेला और दिल जीते। मुकाबले में आपकी प्रतिभा और खेल भावना दिखी।'' खरगे ने 'एक्स' पर लिखा, ''पूरे विश्व कप में आपके उल्लेखनीय प्रदर्शन पर हर भारतीय को गर्व है। हम हमेशा आपका उत्साहवर्धन करेंगे और आपकी उपलब्धियों को संजोकर रखेंगे।''

भारत के प्रयासों की सराहना : प्रियंका

कांग्रेस की वरिष्ठ नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने भी 'एक्स' के जरिए विजेता टीम को बधाई दी और भारत के प्रयासों की सराहना की। वाद्रा ने कहा, ''जीत-हार से भी ज्यादा महत्वपूर्ण है पूरे जज्बे के साथ लड़ना।टीम इंडिया ने पूरी सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया, फाइनल तक शान से पहुंची। टीम इंडिया, आगे बढ़ो और नए रण की तैयारी करो। देश आपके साथ है। ऑस्ट्रेलिया को जीत की बधाई। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर कहा, ''ऑस्ट्रेलिया टीम बहुत अच्छा खेली। टीम इंडिया ने पूरी श्रृंखला में शानदार क्रिकेट खेला।''

प्रधानमंत्री को विश्व कप मैच देखने जाने का समय मिल गया, लेकिन वह मणिपुर अभी तक नहीं गए : रमेश

प्रधानमंत्री को अहमदाबाद के उस स्टेडियम में जाने का समय मिल गया, जिसका नाम उन्होंने अपने नाम पर रखा है। वह कल से राजस्थान और तेलंगाना में कांग्रेस को फिर से अपशब्द कहना और बदनाम करना शुरू कर देंगे, लेकिन उन्होंने मणिपुर का दौरा करना उचित नहीं समझा, जो अब भी तनावग्रस्त और पीड़ित है। उनकी प्राथमिकताएं स्पष्ट हैं। कांग्रेस पूर्वोत्तर राज्य की स्थिति को लेकर प्रधानमंत्री और भाजपा पर लगातार हमला करती रही है, जो मई से हिंसा से जूझ रहा है।

भारतीय टीम ने हमारा दिल जीत लिया : राहुल

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भी कहा, ''टीम इंडिया, आपने पूरे टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया।'' उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, ''जीते या हारे - हम आपको हर स्थिति में प्यार करते हैं और हम अगला (विश्व कप) जीतेंगे।'' राहुल गांधी ने कहा, ''विश्व कप में शानदार जीत के लिए ऑस्ट्रेलिया को बधाई।''फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया से मिली हार के बाद कांग्रेस पार्टी ने भी ऑस्ट्रेलियाई टीम को जीत के लिए बधाई दी है। रविवार को गुजरात के अहमदाबाद के मोटेरा स्थित नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारतीय टीम की हार के बाद कांग्रेस पार्टी ने बयान जारी कर कहा कि भारतीय टीम की हार इस विश्व कप टूर्नामेंट में उसके प्रभुत्व को कम नहीं कर सकती। इस हार के बाद कांग्रेस पार्टी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि ऑस्ट्रेलिया को बधाई। हम नीली जर्सी वाले अपने खिलाड़ियों से कहना चाहेंगे कि फाइनल में हार पूरे टूर्नामेंट में दिखाए गए दबदबे को कम नहीं कर सकती। आपने सच्चे विजेता की भावना का प्रदर्शन किया है। एक अविश्वसनीय यात्रा के लिए धन्यवाद। भारतीय टीम ने हमारा दिल जीत लिया।

भाजपा को सत्ता से बेदखल करेगा गठबंधन : अखिलेश

» नए सहयोगियों की तलाश में सपा प्रमुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मध्य प्रदेश का चुनाव निपटते ही सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव अब दूसरे राज्यों में अपना वजूद मजबूत करने में लग गए है। इसीक्रम में वह इंडिया गठबंधन के नए सहयोगियों की तलाश में जुट गए हैं। उन्होंने जींद में हरियाणा विकास पार्टी की संकल्प रैली में कहा कि इंडिया गठबंधन जीते और भाजपा को पीछे धकेल दे, इससे अच्छा और क्या हो सकता है। हरियाणा की धरती पर अग्निवीर के जरिये भाजपा ही उनके मुख्य निशाने पर रही। मध्य प्रदेश के चुनाव में अखिलेश ने इंडिया के मुख्य घटक दल कांग्रेस पर जमकर तीर चलाए थे। कहा था, भाजपा और कांग्रेस में कोई बुनियादी फर्क नहीं है। लेकिन, हरियाणा की रैली में उन्होंने भाजपा शासन में लाए गए तीन कृषि कानूनों को रद्द कराने में वहां के किसानों की भूमिका की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि हरियाणा जनसेवक पार्टी एक विकल्प के रूप में खड़ी होकर राज्य में सरकार बनाने में कामयाब होगी। जनसेवक पार्टी का झंडा भी लाल व हरा है और समाजवादियों का झंडा का रंग भी लाल व हरा है। इसलिए यह अपने जैसा ही दल है। इसे लोकसभा चुनाव के मद्देनजर गठबंधन में अन्य दलों को साथ लाने की सपा की कवायद के रूप में देखा जा रहा है। अखिलेश ने कहा कि हमारा वादा है कि 2024 में केंद्र में सरकार बदलने पर सपा अग्निवीर योजना समाप्त कर पहले की तरह नौजवानों को सेना की पक्की नौकरी दिलाएगी। रैली में विधान परिषद के पूर्व नेता प्रतिपक्ष संजय लाठर भी शामिल हुए।

शिखर तक पहुंचना भी कहां होता है कम

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आस्ट्रेलिया को वर्ल्ड कप जीतने और अपने देश की टीम को लगातार अच्छे प्रदर्शन से यहां तक पहुंचने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी जीत खेल भावना की होती है। उन्होंने एक्स के जरिये अपने संदेश में कहा-कभी मंजिल रह जाती है दूर बस एक कदम, पर शिखर तक पहुंचना भी कहां होता है कम।

सपा और कांग्रेस में आ सकते हैं कई बीजेपी सांसद

लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा के कुछ सांसद पार्टी को झटका दे सकते हैं। टिकट की दौड़ में पिछड़ने की आशंका के मद्देनजर सांसद और उनके करीबी सपा और कांग्रेस से नजदीकी बनाने में जुटे हैं। विधानसभा चुनाव 2022 से पहले धोखा खा चुकी पार्टी के नेता इस बार सतर्क हैं।भाजपा लोकसभा चुनाव में मिशन 80 को पूरा करने के लिए सर्वे करा रही है। सर्वे में मौजूदा सांसदों की स्थिति के साथ नए संभावित उम्मीदवारों की रिपोर्ट भी तैयार की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक पहले सर्वे में कुछ सांसदों की रिपोर्ट अच्छी नहीं मिली है। इनमें अवध, काशी, गोरखपुर और पश्चिम क्षेत्र के कुछ सांसद शामिल हैं। वहीं नारी शक्ति वंदन अधिनियम के चलते इस बार पार्टी पहले से ज्यादा महिला उम्मीदवारों को उतारने पर विचार कर रही है। साथ ही सुभासपा, अपना दल (एस) और निषाद पार्टी को भी गठबंधन में पहले से अधिक सीटें देने की चर्चा है। ऐसे में जिन मौजूदा सांसदों के टिकट पर तलवार लटक रही है, वे विकल्प तलाशने में जुट गए हैं। पार्टी को खबर मिली है कि बीते दिनों कुछ सांसद और उनके करीबी नेताओं ने सपा नेताओं से मुलाकात की है। इनमें अवध क्षेत्र के भी दो सांसदों के नाम चर्चा में हैं। सूत्रों का कहना है कि फिलहाल मौजूदा सांसद अपना टिकट सुनिश्चित करने की लॉबिंग कर रहे हैं। ऐसे में वे लोकसभा चुनाव में टिकट वितरण का इंतजार कर सकते हैं। टिकट न मिलने पर वह पाला बदलकर सपा, बसपा या कांग्रेस के टिकट से चुनाव लड़ने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। पार्टी ऐसे लोगों की हर गतिविधि पर नजर रख रही है।

ट्रांसफर पोस्टिंग के खेल में लगें हैं सीएम : कुमारस्वामी

» सिद्धारमैया ने कहा- मुझे गलत साबित कर दें तो मैं राजनीति से संन्यास ले लूंगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेगलुरू। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और जेडीएस नेता कुमारस्वामी ने मौजूदा मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने एक वीडियो क्लिप जारी की इस दावे के साथ कि सिद्धारमैया के बेटे डॉ. यतीन्द्रा फोन पर पहले सिद्धारमैया से रूबरू थे, बाद में महादेवप्पा नाम के एक अधिकारी के साथ उसी फोन लाइन पर निर्देश दे रहे है कि काम उन्हीं का होना चाहिए, जो लिस्ट उन्होंने भेजी है, कुमारस्वामी ने दावा किया कि ये मामला पैसे लेकर ट्रांसफर पोस्टिंग का है, इसके जवाब में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने दावा किया कि मैंने कभी भी रुपये लेकर ट्रांसफर पोस्टिंग की पैरवी नहीं की है और अगर कोई मुझे गलत साबित कर दे तो मैं राजनीति से संन्यास ले लूंगा।

इस बातचीत के बारे में सिद्धारमैया ने कहा कि उनके बेटे पूर्व विद्धायक है और बातचीत एक स्कूल के निर्माण कार्य के सिलसिले में हो रही थी। लेकिन कुमारस्वामी ने इसे झूठ करार दिया। रविवार यानी 19 नवंबर को एक बार फिर ट्वीट करके अपने आरोपो को दुहराया।

क्यों झूठ बोलते हैं मोदी : टिकैत

» अभी तक नहीं हुआ बकाया गन्ना भुगतान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शामली। शामली जिले में संपूर्ण बकाया गन्ना भुगतान नहीं होने को लेकर शुगर मिल के बॉयलर हाउस में किसानों की महापंचायत आयोजित की गई। जिसमें 91 दिन तक धरने के बाद भी बकाया गन्ना भुगतान नहीं देने पर किसानों, वक्ताओं ने रोष प्रकट किया। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश टिकैत ने कहा कि पता नहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गन्ना मूल्य को लेकर क्यों झूठ बोलते हैं। यदि शामली में किसानों पर प्रशासन ने लाठीचार्ज किया तो महाभारत शुरू हो जाएगा।

हर जगह के किसान शामिल होंगे। नरेश टिकैत ने कहा कि सरकार की अनदेखी के कारण ही मिल प्रशासन जान बूझकर किसानों का बकाया गन्ना भुगतान नहीं कर रहा है। अब मिल का गुल्ला फंस गया है या तो गुल्ला टूटेगा या फिर नाल फटेगी। कहा कि प्रशासन भी किसानों की समस्या को लेकर गंभीर नहीं है। कभी शामली मिल का देशभर में नाम था। यहां का किसान भी फक्र महसूस करता था कि शामली मिल में गन्ना सप्लाई किया जाता है, लेकिन आज हालत ज्यादा खराब है। किसानों की हिम्मत है जो 90 से अधिक दिन से धरने पर बैठे हुए हैं। यूपी सरकार ज्यादा लापरवाह है। हरियाणा से लेकर पंजाब में गन्ना मूल्य घोषित कर दिया गया।

अनुमान के आधार पर कोई दोषी नहीं : एलजी

» केजरीवाल सरकार की विजिलेंस रिपोर्ट को स्वीकारने से किया इनकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्य सचिव से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामले में उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने केजरीवाल सरकार की विजिलेंस रिपोर्ट को स्वीकार करने से मना कर दिया है। साथ ही उन्होंने केजरीवाल सरकार की सिफारिश को पूर्वाग्रह से ग्रस्त और योग्यता रहित बताया है, इसे लेकर उपराज्यपाल ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को एक नोट लिखा है, जिसमें उन्होंने लिखा है कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि इस कथित जांच का पूरा मकसद सच्चाई का पता लगाना नहीं था, बल्कि मीडिया ट्रायल शुरू करना और इस पूरे मामले का राजनीतिकरण करना था।

उपराज्यपाल ने कहा कि मुख्य सचिव और डिविजनल कमिश्नर की सिफारिश पर मैंने पहले ही सीबीआई जांच की सिफारिश का अनुमोदन किया है और मामले की सीबीआई जांच चल रही है। इसलिए मेरे सामने विचार के लिए रखी गई सिफारिश पूर्वाग्रह से ग्रस्त है और योग्यता से रहित है। इसलिए इस पर सहमत नहीं हुआ जा सकता है। साथ ही उन्होंने कहा कि चूंकि रिपोर्ट का चुनिंदा हिस्सा कथित तौर पर मीडिया में लीक हो गया है, इसलिए प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि इस कथित जांच का पूरा मकसद सच्चाई का पता लगाना नहीं था, बल्कि मीडिया ट्रायल शुरू करना और इस पूरे मामले का राजनीतिकरण करना था, जबकि यह मामला सुप्रीम कोर्ट के सामने है। कोई भी यह सोचने को मजबूर हो जाता है कि क्या यह पूर्वाग्रह पैदा करके अदालत को प्रभावित करने की कोशिश है। अपने नोट में उन्होंने कहा कि इस रिपोर्ट में विजिलेंस मंत्री आतिशी का जोर डीएम, डिवोशनल कमिश्नर और चीफ सेक्रेटरी की मिली भगत के आरोप पर है, जिससे सरकारी खजाने को नुकसान हुआ है, लेकिन जांच के मूल सिद्धांतों का भी पालन इस मामले में नहीं किया गया है।

आप सरकार ने की मुख्य सचिव को निलंबित करने की सिफारिश

इससे पहले, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मुख्य सचिव नरेश कुमार से जड़े बामनोली जमीन अधिग्रहण कथित भ्रष्टाचार मामले में विजिलेंस मंत्री आतिशी की रिपोर्ट के आधार पर उपराज्यपाल से मुख्य सचिव को पद से हटाने और निलंबित करने की सिफारिश की थी।

पार्टी के लिए एक-एक वोट जोड़ेंगे : अजय

» कांग्रेस दूसरे दलों में गए नेताओं की घर वापसी कराएगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा है कि 24 के लोकसभा चुनाव से पहले पार्टी एक-एक वोट को जोड़कर फिर से उसे खड़ा करेंगे। उन्होंने कहा है कि पार्टी के पुराने नेताओं की घर वापसी कराई जा रही है। जो नेता अब इस दुनिया में नहीं है, उनके कृतित्व को भुलाया नहीं जा सकता है। उनके परिजनों के लिए पार्टी के दरवाजे खुले हैं। हम2024 में होने जा रहे लोकसभा चुनाव और आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी मुख्य धारा में होगी। ज्ञात हो कि कांग्रेस खोया हुआ जनाधार पाने के लिए बेताब है।

पार्टी अब पुराने दिग्गज नेताओं के परिजनों को अपने साथ जोड़ने का काम करने जा रही है। उन्हें पुराने रिश्तों की दुहाई देकर अपने साथ जोड़ेगी। इसके तहत जिलेवार सूची तैयार की जा रही है। पार्टी के रणनीतिकारों का कहना है कि दो से ढाई दशक पहले विभिन्न जिलों में कांग्रेस के तमाम दिग्गज नेता थे। ये नेता सांसद व विधायक रहते हुए न सिर्फ अपने क्षेत्र में, बल्कि आसपास की विधानसभा सीटों पर भी पकड़ रखते थे। प्रदेश की सियासी फिजा बदली तो इन नेताओं के परिजनों ने भी ठौर बदल लिया। कोई भाजपा में है तो कोई सपा व बसपा में सियासी पारी खेल रहा है। अब इन्हें गोलबंद कर उनके साथ मौजूद वोटबैंक को अपने पाले में किया जा सकता है। इससे पार्टी के पक्ष में सियासी माहौल बनेगा। उधर पांच राज्यों के चुनाव नतीजे आने के बाद दिसंबर में विपक्षी समावेशी गठबंधन इंडिया की बैठक होगी। इसमें न्यूनतम साझा घोषणापत्र पर सभी दलों से प्रस्ताव लिए जाएंगे। जिन मुद्दों पर सहमति बनेगी, उन्हें शामिल करते हुए इंडिया गठबंधन अपना घोषणापत्र जारी करेगा। तीन दिसंबर को पांचों राज्यों के चुनाव नतीजे आ जाएंगे। इसके बाद दिसंबर में ही इंडिया के सभी घटक दलों के बड़े नेता किसी एक राज्य में बैठेंगे।

आरक्षण बढ़ाओ, संविधान बचाओ अभियान शुरू

लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने आरक्षण बढ़ाओ, संविधान बचाओ अभियान शुरू कर पिछड़ों एवं अति पिछड़ों पर डोरे डालना शुरू किया है। अल्पसंख्यकों के साथ दलित गौरव यात्रा शुरू की। अब पार्टी ने पुराने दिग्गज नेताओं के परिजनों को जोड़ने की रणनीति बनाई है। पिछले दिनों पूर्व सांसद रवि प्रकाश वर्मा, गयादीन अनुरागी, विनोद राय सहित अन्य पुराने नेताओं की कांग्रेस में वापसी हुई। पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि हर जिले में पुराने दिग्गज कांग्रेस नेताओं के परिवार की सुध ली जाए। सियासत में सक्रिय रहे उनके परिजनों को कांग्रेस से जोड़ा जाए। इसी रणनीति के तहत जिलेवार सूची तैयार की जा रही है। इस सूची में शामिल पूर्वांचल के तीन पूर्व सांसदों के परिजन जल्द ही कांग्रेस का हाथ थामेंगे।

लोकसभा चुनाव पर सपा की नजर

2024 में अखिलेश की साइकिल पकड़ सकती है रफ्तार

भाजपा को मिलेगी सपा से कड़ी टक्कर

कांग्रेस ने भी संभाला मोर्चा, अकेले चुनाव लड़ेंगी बसपा प्रमुख मायावती

» राज्य की 80 में से 65 सीटों पर खुद उतरेगी सपा

» लोकसभा में दिख सकती है समाजवादी पार्टी की ताकत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में2024 का लोकसभा चुनाव बहुत दिलचस्प होने वाला है। घोसी उप चुनाव में जीत के बाद से जहां सपा उत्साह है में वहीं बीजेपी भी राम मंदिर के सहारे यूपी की 80 लोक सभा सीटों पर कब्जा करना चाहती है। वहीं जबसे कांग्रेस ने अजय राय को राज्य की कमान सौंपी है वह पार्टी को मजबूत करने में लगे हैं। इसी क्रम में वह इंडिया गठबंधन में शामिल अपने सहयोगी सपा को भी समय-समय पर घेरने में लग जाते हैं। उधर बीएसपी ने भी अकेल लड़ने को विचार बना लिया है। एक नई चीज और देखने को मिल रही है बसपा व सपा दोनों भाजपा के साथ-साथ कांग्रेस को भी निशाने पर लेने से नहीं चूक रही है। जहां कई सभाओं में जातिगत जनगणना के मुद्दे को लेकर अखिलेश राहुल को कोसते रहते हैं वैसे मायावती भी कांग्रेस पर झूठे प्रचार करने का आरोप लगाकर उसको आइना दिखाती रहती हैं।

वहीं अखिलेश को लेकर यह सोच इसलिए बन रही है, क्योंकि उन्होंने ऐलान कर दिया है कि समाजवादी पार्टी राज्य की 80 में से 65 सीटों पर खुद उतरेगी। पंद्रह सीटों को छोड़कर अखिलेश यादव ने गठबंधन की गुंजाइश तो छोड़ी है। खेती-किसानी में सबसे ज्यादा विकास दर वाले मध्य प्रदेश में कांग्रेस की उपेक्षा से क्या समाजवादी पार्टी ने मान लिया है कि अगले आम चुनाव में उसे अकेले अपने दम पर ही उतरना होगा? अखिलेश यादव ने आगे बढ़कर अपने असर वाले उत्तर प्रदेश में जिस तरह आम चुनाव के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं, उसके संकेत तो यही हैं। अखिलेश जिस तरह जुटे हुए हैं, उससे लगता है कि अगर गठबंधन नहीं भी होता तो भी समाजवादी पार्टी अपने दम पर जीत लेंगे। अखिलेश के साथ विधानसभा चुनाव लड़ चुके सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के ओमप्रकाश राजभर अखिलेश का साथ छोड़ चुके हैं। जिस तरह बहन जी यानी मायावती ने जिस तरह 'एकला चलो रे' का राग अपना रखा है, उससे अखिलेश मान चुके हैं कि बहुजन समाज पार्टी से इस बार गठबंधन संभव नहीं है। पिछले लोकसभा चुनाव में दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन था। तब इसे 'बुआ-बबुआ' का गठबंधन माना जा रहा था। साल 2017 के विधानसभा चुनावों में अखिलेश यादव की पार्टी का कांग्रेस के साथ गठबंधन था, तब उस गठबंधन को राहुल गांधी के साथ के चलते 'यूपी के लड़के' कहा गया था। वैसे तो हर चुनाव में हर राजनीतिक दल के लिए गुंजाइश होती ही है। लेकिन यह भी नहीं भूलना चाहिए कि देश में अतीत में ये दोनों गठबंधन भारतीय जनता पार्टी के सामने काम नहीं आए। पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ समाजवादी पार्टी का साफ गठबंधन नहीं था। लेकिन यह भी सच है कि समाजवादी पार्टी ने अमेठी और रायबरेली में अपने उम्मीदवार नहीं उतारे थे। लगता है कि पिछले दो विधानसभा चुनावों और लोकसभा चुनावों के अनुभव से अखिलेश सीखने की कोशिश कर रहे हैं। बेशक नीतीश कुमार और ममता बनर्जी की पहल पर अखिलेश ने विपक्षी इंडी गठबंधन में शामिल होने के लिए कदम बढ़ाया। लेकिन जिस तरह मध्य प्रदेश में कांग्रेस ने उन्हें किनारे किया, उससे वे नाराज हैं। अखिलेश अपनी नाराजगी जाहिर करने से नहीं हिचकते। कमलनाथ के बयान के बाद जिस तरह अखिलेश ने तीखी प्रतिक्रिया जताई, उससे साफ है कि कांग्रेस को लेकर इस बार वे सहज नहीं हैं। लेकिन भारतीय जनता पार्टी को चुनौती देने के लिए वे कांग्रेस का साथ ले सकते हैं। लेकिन कांग्रेस का जैसा रवैया है, जिस तरह विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने गठबंधन में शामिल दलों को अनदेखा किया है, इसलिए वे कांग्रेस के साथ भी भरे मन से जा सकते हैं। क्योंकि अखिलेश नहीं चाहते कि चुनावों में विगत के दो लोकसभा चुनावों की तरह उनकी हालत हो।

फाइल फोटो

पीडीए के साथ महिलाओं पर अखिलेश की नजर

अब महिलाओं की चुनावी सोच अपने पतियों, बेटों, पिताओं या घर के अन्य पुरुष सदस्यों की सोच पर निर्भर नहीं रही। देर से ही सही, अखिलेश इसे समझते नजर आ रहे हैं। इसीलिए वे पीडीए के फॉर्मूले में महिलाओं को भी शामिल कर रहे हैं। अपने कार्यकर्ताओं को वे महिलाओं के बीच जाने को कह रहे हैं। वैसे भी उनके वोट बैंक के प्रमुख जातीय समूह के बारे में आम धारणा है कि वह आक्रामक होती है, इसलिए महिलाओं के बीच अखिलेश कितना लोकप्रिय हो पाएंगे, यह कहना मुश्किल है। अखिलेश को अब आभास हो गया है कि उनकी चुनौती बड़ी है। 2012 का विधानसभा चुनाव जीतने और कम उम्र में मुख्यमंत्री का पद पा लेने के बाद राजनीति की पथरीली चुनौतियों को वे उतनी गहराई से शायद नहीं समझ पाते थे, जितनी समझ उनके पिता मुलायम सिंह की थी। लेकिन लगातार चार चुनावों में पिछड़ने के बाद लगता है कि वे राजनीति को ठीक से समझने लगे हैं। इसीलिए वे अपनी तरह से राजनीति को धार दे रहे हैं। शायद यही वजह है कि वे अपने तरीके से अपनी राजनीति को आगे बढ़ा रहे हैं। चूंकि लगातार चार चुनावों और दो नगर निकाय चुनावों में समाजवादी पार्टी भाजपा के सामने लगातार पिछड़ती रही है। इस आधार पर माना जा सकता है कि अखिलेश के सामने चुनौती कम नहीं हुई है। लेकिन कम से कम वे राहुल गांधी की तुलना में कहीं ज्यादा गहरी कोशिश करते नजर आ रहे हैं। इस तथ्य को कांग्रेस भी समझ ही रही होगी। लेकिन उसके उत्तर प्रदेश अध्यक्ष शायद इसे नहीं समझते या फिर पार्टी को अपने दम पर आगे लाने का उन पर बढ़ा दबाव, वे अखिलेश को नाराज करने से खुद को रोक नहीं पाए। अजय राय का चिढ़ाऊ बयान और मध्य प्रदेश में राहुल की अनदेखी ने शायद अखिलेश के लिए एकला चलो रे की धुन पर उत्तर प्रदेश का चुनावी राग गाना मजबूरी भी है। अगर मजबूरी में ही वे शिद्दत से तैयारी करते नजर आ रहे हैं तो भारतीय जनता पार्टी को उनसे चौकस रहना होगा। उनकी रणनीतियों पर निगाह रखनी होगी।

भाजपा पर जमकर बरसे अखिलेश यादव

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक (पीडीए) वर्गों में पार्टी का जनाधार बढ़ाने के लिए बदल के राज्य मुख्यालय से 'समाजवादी सामाजिक न्याय यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना किया। सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने बताया कि पीडीए समाजवादी सामाजिक न्याय यात्रा सीतापुर, लखीमपुर खीरी, पीलीभीत, शाहजहांपुर, बरेली, बदायूं, सम्भल, मुरादाबाद, अमरोहा, हापुड़, गाजियाबाद, मेरठ, शामली, सहारनपुर और मुजफ्फरनगर से होते हुए बिजनौर में सम्पन्न होगी। उन्होंने बताया कि इस यात्रा का नेतृत्व नूरपुर (बिजनौर) से पार्टी के विधायक रामअवतार सिंह सैनी कर रहे हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इस अवसर पर अपने सम्बोधन में आरोप लगाया, भाजपा की नीतियां पीडीए विरोधी हैं, उत्तर प्रदेश के गरीब, किसान, मजदूर, पिछड़े, दलित, आदिवासी एवं अल्पसंख्यकों को अभी तक हक और सम्मान नहीं मिला है। उन्होंने कहा भाजपा सरकार में महंगाई, भ्रष्टाचार, अन्याय चरम पर है। इन्हीं सवालों को लेकर पीडीए समाजवादी सामाजिक न्याय यात्रा जनता को जागरूक करेगी। सपा प्रमुख आगामी लोकसभा चुनाव में पीडीए के मुद्दे को प्रमुखता से उठा रहे हैं। उनका दावा है कि सपा आगामी लोकसभा चुनाव में

पीडीए की मदद से भाजपा को हराएगी। उन्होंने कहा, नौजवानों को नौकरी नहीं मिल रही है। शिक्षा को जिस तरह से निजी हाथों में दिया जा रहा है, ऐसे में यह सम्भव ही नहीं कि गरीब पढ़ पाएं। प्राइमरी, सेकेण्डरी, हायर सेकेण्डरी, इंटर, मेडिकल कॉलेजों में कैसे गरीब पढ़ पाएगा? शिक्षा में जिस तरह का व्यापार चल रहा है, उसे रोका जाए। इन तमाम सवालों को लेकर यह यात्रा निकल रही है। आज लोकतंत्र विरोधी ताकतें, सक्रिय हैं, बाबा साहब भीमराव आम्बेडकर के समतामूलक सिद्धांत और समाजवादी राममनोहर लोहिया के सिद्धांतों और विचारधारा के साथ सपा संस्थापक मुलायम सिंह के संघर्ष से प्रेरणा लेकर सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़नी है।

पूरी मेहनत से जुटे हैं सपा प्रमुख

विपक्षी गठबंधन में ममता बनर्जी के बाद शायद अखिलेश ही ऐसे नेता हैं, जो पूरी शिद्दत के साथ अपनी चुनावी तैयारी में व्यस्त हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश में पीडीए के फॉर्मूले पर काम शुरू किया है। पी यानी पिछड़ा, डी यानी दलित और ए यानी अल्पसंख्यक। अखिलेश अपने कार्यकर्ताओं से इस ए के साथ आधी दुनिया यानी महिलाओं को भी जोड़ने की बात कर रहे हैं। समाजवादी पार्टी का वोट बैंक एमवाई यानी मुस्लिम-यादव के गठजोड़ पर केंद्रित रहा है। अतीत में राज्य की गैर यादव पिछड़ी जातियों का भी उसे साथ मिलता रहा है। लेकिन भारतीय जनता पार्टी के उभार के बाद गैर यादव पिछड़ी जातियों का बड़ा हिस्सा उसके साथ आ गया है। कोइरी, निषाद, कान्दू, गोड़, नाई, खरवार, नोनिया, कुर्मी आदि जातियों का एक बड़ा हिस्सा अब भाजपा के साथ है। बहुजन समाज पार्टी की स्थिति खराब होने की एक बड़ी वजह उसके दलित वोट बैंक में पड़ी दरार है। अब दलितों में ज्यादातर जाटव वर्ग ही बहुजन समाज पार्टी के साथ हैं। डोम, बसफोर, धोबी, दुसाध या पासवान जैसी जातियों का रुझान पिछले कुछ चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के साथ दिखा है। अखिलेश की निगाह गैर जाटव दलित और गैर यादव पिछड़ी जातियों पर भी है। चूंकि राजभर और नोनिया जातियां साथ आती रही हैं और ओमप्रकाश राजभर अब भाजपा के साथ हैं, इसलिए इनमें सेंध लगाना अखिलेश के लिए आसान नहीं होगा। पिछले कुछ चुनावों में महिलाओं ने खुलकर भाजपा का साथ दिया है। तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और ओडिशा इसके अपवाद हैं।

सपा से दूरी बनाए रखेगी कांग्रेस

कांग्रेस की बैठक में लोकसभा चुनाव की रणनीति बनाई गई। तय किया गया कि बूथ की सक्रियता बढ़ाई जाएगी। जनहित के मुद्दों को लेकर आंदोलन चलाया जाएगा। इसके लिए जल्द ही पदयात्रा निकाली जाएगी। बैठक में वरिष्ठ नेताओं ने गठबंधन का फैसला शीर्ष नेतृत्व पर छोड़ने और तात्कालिक तौर पर सपा से समान दूरी बनाकर चलने की सलाह दी। ताकि जो लोग कांग्रेस में आ रहे हैं, वे असहज न हों। प्रदेश मुख्यालय में जुटे जिला व शहर अध्यक्षों एवं अन्य वरिष्ठ नेताओं ने फीडबैक दिया। सभी ने जातीय जनगणना और आरक्षण के मुद्दे को निरंतर धार देने पर जोर दिया। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि वरिष्ठ नेताओं की सलाह मानते हुए जिला एवं प्रदेश कार्यकारिणी का गठन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बैठक में हिस्सा ले रहे युवाओं से लेकर बुजुर्ग तक के सुझाव से पार्टी 2024 में प्रदेश में बदलाव करेगी। जल्द ही भाजपा की जनविरोधी नीतियों और तानाशाही रवैये के खिलाफ संघर्ष शुरू किया जाएगा। बैठक में महासचिव दिनेश सिंह, प्रमोद पांडेय, अंशू अवस्थी, हरीश बाजपेई व अब्दुल मन्नान समेत कई नेता शामिल हुए। लोक जनशक्ति पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेंद्र रावत, बसपा नेता सुरेंद्र प्रताप के नेतृत्व में बुधवार को तमाम नेताओं ने कांग्रेस की सदस्यता ली। इस मौके पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि कांग्रेस की नीतियों एवं उसकी समावेशी विचारधारा में आस्था व्यक्त करने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। भाजपा की गलत नीतियों से लोग आजिज आ गए हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने लोक जनशक्ति पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष व उनके तमाम समर्थकों को पार्टी का सदस्यता कार्ड देकर पार्टी में शामिल कराया। उनके साथ सदस्यता लेने वालों में पूर्व सभासद जनार्दन मिश्र, उमेश गौतम, जगप्रसाद रावत आदि शामिल थे।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

इस बार रोमांचक है राजस्थान का 'रण'

मध्य प्रदेश, मिजोरम और छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव सम्पन्न हो चुका है। लेकिन राजस्थान का रण अभी भी बाकी है। राजस्थान में आगामी 25 नवंबर को मतदान होना है और परिणाम पांचों राज्यों के एकसाथ 3 दिसंबर को ही जारी किए जाएंगे। ऐसे में राजस्थान में चुनाव अब सुपर एक्टिव मोड में पहुंच चुका है। इसीलिए पीएम मोदी से लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की धड़ों के बड़े-बड़े दिग्गज लगातार राजस्थान के चक्कर लगा रहे हैं। वैसे तो राजस्थान में हर पांच साल में सत्ता परिवर्तन का रिवाज चलता है, लेकिन इस बार ये चुनाव काफी कड़ा और दिलचस्प होने की उम्मीद लग रही है। ऐसा इसलिए लग रहा है क्योंकि पिछले कुछ वक्त में चुनाव से ठीक पहले अशोक गहलोत ने कई ऐसी योजनाएं ला दीं, जो इस चुनाव में कांग्रेस के लिए किसी संजीवनी से कम नहीं हैं। यही वजह है कि अब ये चुनाव काफी दिलचस्प बन गए हैं और मुकाबला भाजपा व कांग्रेस के बीच कांटे का बन गया है। वैसे सत्ता परिवर्तन के रिवाज को अगर एक बार को दरकिनार कर दें तो राजस्थान में इस बार भाजपा की हालत काफी पतली नजर आ रही है।

भाजपा की इस हालत की जिम्मेदार भी खुद भाजपा ही है। क्योंकि पार्टी के अंदर मची अंदरूनी कलह ने भाजपा को प्रदेश में काफी नुकसान पहुंचाया है। पहले तो भाजपा ने प्रदेश की पूर्व सीएम और पार्टी की सबसे बड़ी नेता वसुंधरा राजे को ही साइडलाइन करने का प्लान बनाया। लेकिन बाद में वसुंधरा राजे के बढ़ते प्रभाव और उनके वर्चस्व को देखकर अंतत: भाजपा और पीएम मोदी को वसुंधरा के आगे झुकना पड़ा। इसके बाद पार्टी ने उन्हें टिकट भी दी और चुनावी सभाओं में भी वसुंधरा को अहमियत दी जाने लगी। हालांकि, अभी भी भाजपा ने राजे के होते हुए भी इस बार उन्हें सीएम फेस नहीं बनाया है। जिससे ये साफ होता है कि वसुंधरा को टिकट देना और उन्हें प्रचार में आगे लाना सिर्फ एक चुनावी दिखावा है। जो इसलिए किया जा रहा है ताकि वसुंधरा के समर्थक नाराज न हों। लेकिन शायद भाजपा के लिए चुनाव के बाद भी अगर सत्ता आती है और वसुंधरा राजे को सीएम नहीं बनाती है, तो जीत के बाद भी सरकार बना पाना और उसे पांच साल चला पाना काफी मुश्किल हो सकता है। कहीं न कहीं इस बात से खुद भाजपा और पीएम मोदी भी भली भांति वाकिफ हैं। ऐसे में जाहिर है कि भाजपा को जितनी चुनौती कांग्रेस से मिल रही है, उतनी ही उसे अपने अंदर से ही यानी कि अपने ही नेताओं से मिल रही है। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस ने पिछले पांच सालों से चली रही आ रही पार्टी के अंदर मची नाराजगी को पूरी तरह से दूर कर लिया है।

"ऐसे में राजस्थान में चुनाव अब सुपर एक्टिव मोड में पहुंच चुका है। इसीलिए पीएम मोदी से लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की धड़ों के बड़े-बड़े दिग्गज लगातार राजस्थान के चक्कर लगा रहे हैं। वैसे तो राजस्थान में हर पांच साल में सत्ता परिवर्तन का रिवाज चलता है, लेकिन इस बार ये चुनाव काफी कड़ा और दिलचस्प होने की उम्मीद लग रही है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

भारत के लिए जिनपिंग-बाइडेन भेंट के मायने अहम

गुरजीत सिंह

भारत-अमेरिका के बीच पांचवीं 2+2 बैठक पिछले हफ्ते हो चुकी है। अब ध्यान अमेरिका के सैन फ्रैंसिस्को में होने वाली एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर वार्ता के दौरान जिनपिंग-बाइडेन के बीच अलग से भेंट पर टिक गया है। चूंकि भारत-अमेरिका संबंधों का असर द्विपक्षीय संदर्भों से परे वैश्विक स्तर पर है, इसलिए जिनपिंग-बाइडेन भेंट के नतीजों पर भारत की काफी रुचि रहेगी। '2+2 बैठक' के स्वरूप को मिली द्विपक्षीय सफलता के चलते, भारत और अमेरिका अपनी साझेदारी को निरंतर विस्तारित कर रहे हैं। इसका सबूत है 2+2 वार्ता के बाद जारी संयुक्त बयान, जिसमें भारत की ओर से विदेशमंत्री एस. जयशंकर, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तो अमेरिकी विदेशमंत्री एंथनी ब्लिंकन और रक्षामंत्री लॉयड ऑस्टिन उपस्थित थे। यह भेंट वार्ताएं समय-समय पर होती आई हैं और इन्होंने अपनी जगह बना ली है।

फिलहाल वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल 'हिंद-प्रशांत आर्थिक ढांचा' विषय पर चर्चा के लिए अमेरिका गए हुए हैं, जिस पर काम तेजी से चल रहा है। इसलिए, भारत के तीन वरिष्ठ मंत्री इस वक्त अमेरिका से सीधा संवाद में हैं, उम्मीद है चीन से पुन: रिश्ते सुधारते वक्त अमेरिका भारत के हितों को ध्यान में रखेगा। जिनपिंग-बाइडेन भेंटवार्ता नई दिल्ली में सितम्बर माह में संपन्न हुए जी-20 शिखर सम्मेलन में नहीं हो पाई थी क्योंकि चीनी राष्ट्रपति ने अनुपस्थित रहना चुना था। चीनी-अमेरिकी राष्ट्रपतियों की आखिरी भेंट नवम्बर, 2022 में इंडोनेशिया के बाली में जी-20 की बैठक में हुई थी। उसके बाद एक साल बीत गया और इस दौरान दुनिया में बहुत कुछ घटा, यूक्रेन युद्ध के अलावा अब पश्चिम एशिया में संकट उभर आया है। चीन और अमेरिका एक-दूसरे का आकलन बहुत गहनता से कर रहे हैं और पुन: बातचीत से पहले उन पैमानों और शर्तों पर विचार कर रहे हैं, जो उनके हितों के माफिक बैठते हों। मुख्य बात यह है कि आगामी बैठक में ये किस हद तक फलीभूत हो पाएंगे।

भारत भी, बड़े मुद्दे जैसे कि पर्यावरण बदलाव, अक्षय ऊर्जा, कोविड उपरांत आर्थिकी की पुर्नस्थापना, नौवहनीय सुरक्षा और सतत विकास ध्येय इत्यादि पर सहयोग बनाना चाहेगा। यह साफ नहीं है कि अमेरिका-चीन में किसका नजरिया

ज्यादा भारी रहेगा, क्योंकि इन मुद्दों पर चीन ने अपनी ओर से अलग लाइन अपना रखी है और उसे इन विषयों में अमेरिका का दबदबा स्वीकार्य नहीं है। चीन के साथ अपने विवादों के चलते, भारत अमेरिका का साझेदार बनने का इच्छुक है। बृहद वैश्विक मुद्दों पर, जनहित की खातिर, अवश्य ही अर्थपूर्ण साझेदारी बनकर उभरने की संभावना है। फिर प्रतिद्वंद्विता वाला अवयव भी है। अमेरिका और यूरोपियन यूनियन को यकीन है कि चीन अपनी हैसियत से कहीं बड़ा होता जा रहा है, और वे उसकी आर्थिकी एवं तकनीकी तरक्की को नाथकर, विश्व व्यवस्था में अपने प्रतिद्वंद्वी की उभरने की संभावना घटाना चाहते हैं। साथ ही, वे चीन को लोकतंत्र, मानवाधिकार जैसे मुद्दे पर घेरकर चुनौती देना चाहते हैं। चीन भी अमेरिका को जमकर चुनौती दे रहा है और विश्व व्यवस्था को लेकर अपना नजरिया आगे बढ़ा रहा है। तरक्की का उसका अपना रास्ता है और अपनी अलहदा राजनीतिक प्रणाली भी। भारत को भी उससे दरपेश चुनौतियों की ताव सहनी पड़ रही है इसलिए अमेरिका और उसके सहयोगियों के साथ निकटता बनाकर चलना चाहता है। जिस ढंग से क्वाड ने पिछले दो सालों से अधिक अवधि में अपनी जगह मजबूत की है, उससे वह चीन के तौर-तरीकों को अपनी चुनौती पेश कर रहा है। क्वाड का नजरिया वर्तमान में हिंद-प्रशांत महासागर क्षेत्र में गैर-सैन्य साझेदारी का विकल्प बनाना है। एक अवयव यह भी है कि कई बार ऐसा होता है कि परस्पर चुनौतियां दीर्घकालीन टकराव में तब्दील हो जाती हैं। भारत ने यह लद्दाख में होते देखा है। फिलहाल दक्षिण चीन सागर में फिलीपींस के साथ भी यही कुछ हो रहा है और सेंककाकू टापुओं पर अधिकार को लेकर जापान का चीन से विवाद चल रहा है। अगर चीन ताइवान को कब्जाने की कोशिश करेगा तो अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और फिलीपींस, सब मिलकर उसे तगड़ी चुनौती देना चाहते हैं।

लेकिन भारत को सबसे अधिक चिंता किस बात पर है? भारत जानता है कि जहां चीन एक आक्रामक चुनौती देने वाला है वहीं अमेरिका भारत की वैश्विक चढ़त का समर्थक है। जो भी है, भारत हिंद-प्रशांत महासागरीय क्षेत्र में, विशेषकर संभावित ताइवान के मामले में, चीन को संयुक्त रूप से सैन्य चुनौती देने वाले गठबंधन का हिस्सा नहीं बनना चाहेगा। यदि जिनपिंग-बाइडेन भेंट से ताइवान के मुद्दे पर तनाव घटता है तो यह भारत के लिए अवश्य सहायक रहेगा। भारत-अमेरिका के बीच जिस ढंग से रक्षा साझेदारी बढ़ रही है उससे अमेरिका की अपेक्षा बढ़ी है कि हिंद-प्रशांत महासागर क्षेत्र में भारत ज्यादा मुखर होकर भूमिका निभाए।

उपचार के साथ जीवनशैली बदलने की भी जरूरत

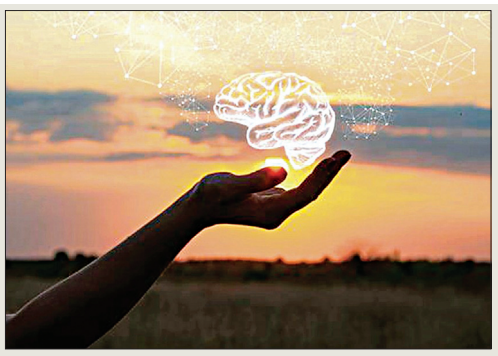

ज्ञानेन्द्र रावत

दुनिया में मानसिक रोगों से पीड़ित लोगों की तादाद तेजी से बढ़ रही है। विश्व के 64 देशों के तकरीबन चार लाख लोगों पर किया गया अध्ययन इस तथ्य को प्रमाणित करता है कि दुनिया के एक-तिहाई से ज्यादा लोग मानसिक स्वास्थ्य की परेशानियों से ग्रस्त हैं। यह भी कि कोविड महामारी के बाद से लोगों की सेहत के स्तर में कोई सुधार नहीं हुआ। वहीं मानसिक समस्याओं से जूझ रहा हर तीसरा व्यक्ति अवसाद और एंग्जाइटी का शिकार है। आत्महत्या का विचार पनपने के पीछे भी यही अहम कारण है। वर्ष 2021 के दौरान अकेले भारत में 1,64,033 आत्महत्याएं हुईं। इस साल इन घटनाओं में वर्ष 2020 की तुलना में 7.2 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। इसके मुताबिक प्रतिदिन देश में 450 आत्महत्याएं हुईं।

दि मेंटल स्टेट आफ द वर्ल्ड रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि लाख कोशिशों के बावजूद आज भी मानसिक स्वास्थ्य मजबूत करने की दिशा में विफलता इस रोग की बढ़ोतरी का अहम कारण है। उस हालत में, जब देश में 9,800 से ज्यादा मनोचिकित्सक और तकरीबन 3,400 क्लिनिकल साइकलोजिस्ट मौजूद हैं। हालांकि 10 साल पहले के मुकाबले कहीं अधिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध है लेकिन मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों की बहुत कमी है। वहीं देश में कुल बीमारियों में मानसिक विकारों का योगदान दोगुणा से भी ज्यादा है। इसमें 1990 के दशक से दोगुने से ज्यादा बढ़ोतरी दर्ज की गयी। देश में कुल आबादी के 14 फीसदी से ज्यादा लोग मानसिक रोगों के शिकार हैं जिसमें 29-40 आयु वर्ग के लोग बहुतायत में हैं। इस बारे में यदि मानसिक समस्याओं से पीड़ित लोगों को नि:शुल्क परामर्श देने वाले सायरस एंड प्रिया वांड्रेवाला फाउंडेशन की मानें तो मानसिक समस्याओं को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ रही है। करीब 53 फीसदी महिलाएं और 42 फीसदी से ज्यादा पुरुष व्हाट्स एप चैट के माध्यम से अपनी समस्याएं साझा कर रहे हैं। फाउंडेशन की प्रमुख प्रिया हीरानंदानी का कहना है कि एक-तिहाई लोग एंग्जाइटी, अवसाद और आत्महत्या की प्रवृत्ति से जूझ रहे हैं।

यदि मानसिक समस्या के चलते आत्महत्या करने वालों का जायजा लें तो दुनिया भर में आत्महत्या के मामले बढ़ना बेहद चिंतनीय है। हर 40 सैकेंड में कोई एक व्यक्ति आत्महत्या कर रहा है। बीते साल विश्व में 8 लाख लोगों ने आत्महत्या की जिनमें 1.64 लाख से ज्यादा लोग भारत के थे। गौरतलब है कि जीवन का अंत करने से किसी समस्या का समाधान नहीं होता बल्कि आत्महत्या करने से प्रभावित पूरा परिवार आर्थिक, सामाजिक और भावनात्मक समस्याओं में फंस जाता है। एक आत्महत्या करीब 135 लोगों को प्रभावित करती है। इनमें आत्महत्या करने वाला परिवार, नजदीकी रिश्तेदार व मित्र शामिल होते हैं। यह आवेश में लिया गया कदम है। यदि आप आत्महत्या करने वाले व्यक्ति के दिमाग को दूसरी दिशा में मोड़ सकते हैं तो आप उसकी जान बचा सकते हैं। इहबास संस्थान के मनोचिकित्सा विभाग के प्रोफेसर डॉ. ओम प्रकाश कहते हैं कि उनके पास ज्यादातर मूड खराब, अवसाद, घबराहट, नींद न आने, तनाव आदि समस्याओं के रोगी आते हैं। उनके मुताबिक, वे आत्महत्या के मिथक और बचाव को लेकर हेल्पलाइन टेली मानस के जरिये लोगों को जागरूक कर रहे हैं।

दिल्ली में हर रोज 50-60 कॉल हेल्पलाइन पर लोग करते हैं। मौजूदा भागमभाग की जिंदगी भी मानसिक रोगों की अहम वजह है। इससे स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। लोग इसके बावजूद मनोचिकित्सक के पास जाना नहीं चाहते। इसमें मानसिक चिकित्सा सुविधाओं की कमी भी एक बड़ी वजह है। इस संदर्भ में मेंटल हेल्थ फाउंडेशन इंडिया और एम्स के डाक्टरों ने मिलकर एक वेब पोर्टल happyfitindia- mhfindia-org तैयार किया है। इसके माध्यम से लोग खुद अपने मानसिक स्वास्थ्य का ऑनलाइन परीक्षण कर सकते हैं। इस बारे में एम्स के मनोचिकित्सा विभाग के डॉ. नंद कुमार कहते हैं कि यह पहल मानसिक बीमारियों से बचाव और मानसिक स्वास्थ्य ठीक रखने में मददगार है। वहीं हर मानसिक परेशानी के इलाज के लिए दवा की जरूरत नहीं। बगैर दवा के भी योग, जीवनशैली बदलने से भी मानसिक स्वास्थ्य बेहतर बनाया जा सकता है। यदि पोर्टल पर परामर्श के बाद मानसिक परेशानी दूर नहीं होती तो चिकित्सकीय सलाह लेनी चाहिए।

जहां तक अवसाद का सवाल है, आज कोई भी व्यक्ति पूरी तरह सुरक्षित नहीं है। अवसाद या डिप्रेशन के दौरान इंसान के शरीर में खुशी देने वाले हार्मोन का बनना कम या बंद हो जाता है। इसकी वजह से आप चाहकर भी खुश नहीं हो सकते। आगरा स्थित प्रख्यात मनोचिकित्सक डॉ. केसी गुरनानी का मानना है कि जिस तरह शरीर में अंदरूनी दोष के चलते बीमारियां होती हैं, उसी तरह दिमाग की कार्यप्रणाली प्रभावित होने पर तनाव व अवसाद होता है। दिमाग में तरह-तरह के विचार आते हैं जिनका असर मस्तिष्क की कार्यप्रणाली पर पड़ता है। सेरेटोनिन, डोपामाइन आदि कई तरह के हारमोन प्रभावित होने लगते हैं। अवसाद की समस्या अब व्यक्ति विशेष या देश की नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की है। मोबाइल ने इसमें और इजाफा किया है। ऐसे में मानसिक स्वास्थ्य को अपने जीवनशैली का हिस्सा बनाना समय की मांग है। मानसिक स्वास्थ्य की बेहतर समझ ही इस समस्या का हल है। वहीं इलाज के अलावा पीड़ितों के दुख-दर्द में सहयोग और साथ देने का विश्वास दिलाने की बेहद जरूरत है।

छोटे बच्चों में आंखों की समस्या बढ़ने लगी है, जो कि चिंताजनक है। आंखों की सेहत के लिए जीवनशैली में सुधार और पौष्टिक आहार का सेवन करना चाहिए। साथ ही दिनचर्या में कुछ प्रकार के योगासनों को शामिल करने की आदत भी बनाएं।

आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए करें ये योगासन

चश्मा लगाने की नहीं पड़ेगी जरूरत

गलत खानपान, मोबाइल या कंप्यूटर स्क्रीन पर अधिक समय बिताने और आंखों को आराम न देने के कारण कम उम्र से ही लोगों को नजर कम होने की समस्या हो सकती है। उम्र बढ़ने के साथ आंखों की तमाम बीमारियां और रोशनी कम होना आम समस्या है लेकिन अब छोटे बच्चों में आंखों की समस्या बढ़ने लगी है, जो कि चिंताजनक है। आंखों की सेहत के लिए जीवनशैली में सुधार और पौष्टिक आहार का सेवन करना चाहिए। साथ ही दिनचर्या में कुछ प्रकार के योगासनों को शामिल करने की आदत भी बनाएं। कई तरह की शारीरिक समस्याओं के साथ ही योग आंखों के लिए भी फायदेमंद है। अगर आप में आंखों की बीमारियों की शुरुआत है तो रोजाना योग का अभ्यास करना चाहिए। इससे आंखों की रोशनी तेज होती है और चश्मा लगाने से बचा जा सकता है।

हलासन

पीठ-कमर से लेकर रक्त के परिसंचरण को ठीक बनाए रखने के लिए हलासन योग का अभ्यास लाभकारी माना जाता है। हलासन शरीर के ऊपरी हिस्से में रक्त के संचार को बढ़ावा देने में मदद करता है जिसके कारण आंखों को स्वस्थ रखा जा सकता है। नियमित तौर पर इस योग के अभ्यास से वृद्धावस्था तक आंखों की रोशनी को बेहतर बनाए रखा जा सकता है। वहीं तंत्रिका तंत्र को शांत करने और इससे संबंधित विकारों के जोखिम को कम करने में भी हलासन लाभकारी है। पहले जमीन पर लेट जाएं और पैरों को मोड़ लें। शरीर एकदम सीधा रखें और हाथों को जमीन से ही चिपका कर रखें। अब शरीर को कूल्हे से ऊपर की ओर उठाएं जबकि कंधे जमीन में ही रहने दें। अपनी जांघों को छाती के ऊपर मोड़कर ले आएं। अब पैरों को सीधा कर सिर के पीछे उन्हें टिका दें जबकि हाथों को कमर के पीछे रख लें, जिससे शरीर को मजबूती मिल सके।

सर्वांगासन

आंखों की सेहत के साथ ही रक्त संचार को ठीक रखने के लिए सर्वांगासन के अभ्यास की आदत बनाएं। सर्वांगासन के नियमित अभ्यास से मस्तिष्क और ऑप्टिक नर्व्स में रक्त परिसंचरण को बढ़ावा मिलता है। वहीं आंखों को आराम देने के साथ मस्तिष्क को भी स्वस्थ बनाता है। यह आसन आपके शरीर के सर्कुलेटरी सिस्टम के काम को बेहतर करने में मदद करता है जिससे शरीर में ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और इसलिए आपके शरीर के सभी हिस्सों को ब्लड की सही आपूर्ति होती है।

अनुलोम-विलोम प्राणायाम

प्राणायाम के दैनिक अभ्यास से संपूर्ण शरीर को स्वस्थ रखा जा सकता है। नियमित अनुलोम विलोम प्राणायाम का अभ्यास अवरूद्ध ऊर्जा चैनलों (नाड़ियों) को साफ करने और मन को शांत रखने में सहायक है। तंत्रिकाओं को राहत दिलाने और दृष्टि में सुधार के साथ ही त्वचा को स्वस्थ बनाने के लिए अनुलोम विलोम प्राणायाम का नियमित अभ्यास करना चाहिए। अनुलोम विलोम प्राणायाम नाड़ियां या प्राणिक चैनलों को साफ कर देता है और प्राण का पूरे शरीर में प्रवाह बना देता है। इतना ही नहीं, नाड़ियां शुद्ध कर देता है। अत: इस प्राणायाम को नाड़ी शोधन प्राणायाम भी कहा जाता है। यह शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालता है।

हंसना मना है

बाप-बेटा अगर ससुराल वाले स्कूटर दे तो कार मांगना, कूलर दे तो एसी मांगना, लड़का - पापा अगर वो लड़की दे तो उसकी मां को भी मांग लूं क्या?

लड़कियों को गाली मत दो, बस एक वर्ड काफी है, जो गाली से ज्यादा असर कर देगा.. और वो है, आंटी जी।

टीचर ने गधे के सामने 1 दारु की और 1 पानी की बाल्टी रखी, गधा पानी पी गया। टीचर- तुमने इस से क्या सिखा? स्टूडेंट- जो दारु नहीं पिता वह गधा होता है!

एक आदमी मेडिकल शॉप पर जहर लेने गया। आदमी- एक जहर की बोतल देना, दुकानदार- बिना पर्ची के जहर नहीं मिल सकता। आदमी ने शादी का कार्ड दिखाया.. दुकानदार- बस कर पगले, रुलाएगा क्या? बड़ी बोतल दूं या छोटी?

एक फैमिली शोले फिल्म देख कर अपने घर आयी। तभी पति ने पत्नी से, रोमांटिक अंदाज में कहा, नाच बसंती नाच.. तभी उनका छोटा बच्चा बोला, नहीं मम्मी ईस कुत्ते के सामने मत नाचना!

हमको यु पागल बनाना छोड़ दो, बेवजह हर बात पे सताना छोड़ दो, तुम्हारी खुशबू अलग ही होती है मेरे दोस्त, बर्तन वाले साबुन से नहाना छोड़ दो।

कहानी | बहरे भक्त का सत्संग प्रेम

एक संत के पास बहरा आदमी सत्संग सुनने आता था। किसी ने संतश्री से कहा-बाबा जी! वे जो वृद्ध बैठे हैं, वे कथा सुनते-सुनते हंसते तो हैं पर वे बहरे हैं। बहरे मुख्यत-दो बार हंसते हैं, एक तो कथा सुनते-सुनते जब सभी हंसते हैं तब और दूसरा, अनुमान करके बात समझते हैं तब अकेले हंसते हैं। बाबा जी ने कहा-जब बहरा है तो कथा सुनने क्यों आता है? बाबाजी सोचने लगे, बहरा होगा तो कथा सुनता नहीं होगा और कथा नहीं सुनता होगा तो रस नहीं आता होगा। रस नहीं आता होगा तो यहां बैठना भी नहीं चाहिए, उठकर चले जाना चाहिए। यह जाता भी नहीं है! बाबाजी ने उस वृद्ध को बुलाया और उसके कान के पास ऊंची आवाज में कहा-कथा सुनाई पड़ती है? उसने कहा-क्या बोले महाराज? बाबाजी ने आवाज और ऊंची करके पूछा-मैं जो कहता हूं, क्या वह सुनाई पड़ता है? उसने कहा-क्या बोले महाराज? बाबाजी समझ गये कि यह नितांत बहरा है। बाबाजी ने सेवक से कागज कलम मंगाया और लिखकर पूछा। वृद्ध ने कहा-मेरे कान पूरी तरह से खराब हैं। मैं एक भी शब्द नहीं सुन सकता हूं। कागज कलम से प्रश्नोत्तर शुरू हो गया। फिर तुम सत्संग में क्यों आते हो? बाबाजी! सुन तो नहीं सकता हूं लेकिन यह तो समझता हूं कि ईश्वरप्राप्त महापुरुष जब बोलते हैं तो पहले परमात्मा में डुबकी मारते हैं। संसारी आदमी बोलता है तो उसकी वाणी मन व बुद्धि को छूकर आती है लेकिन ब्रह्मज्ञानी संत जब बोलते हैं तो उनकी वाणी आत्मा को छूकर आती हैं। मैं आपकी अमृतवाणी तो नहीं सुन पाता हूं पर उसके आंदोलन मेरे शरीर को स्पर्श करते हैं। दूसरी बात, आपकी अमृतवाणी सुनने के लिए जो पुण्यात्मा लोग आते हैं उनके बीच बैठने का पुण्य भी मुझे प्राप्त होता है। बाबा जी ने देखा कि ये तो ऊंची समझ के धनी हैं। उन्होंने कहा - आप दो बार हंसना, आपको अधिकार है किंतु मैं यह जानना चाहता हूं कि आप रोज सत्संग में समय पर पहुंच जाते हैं और आगे बैठते हैं, ऐसा क्यों? मैं परिवार में सबसे बड़ा हूं। बड़े जैसा करते हैं वैसा ही छोटे भी करते हैं। मैं सत्संग में आने लगा तो मेरा बड़ा लड़का भी इधर आने लगा। शुरुआत में कभी-कभी मैं बहाना बना के उसे ले आता था। मैं उसे ले आया तो वह अपनी पत्नी को यहां ले आया, पत्नी बच्चों को ले आयी, सारा कुटुम्ब सत्संग में आने लगा, कुटुम्ब को संस्कार मिल गये। ब्रह्मचर्चा, आत्मज्ञान का सत्संग ऐसा है कि यह समझ में नहीं आये तो क्या, सुनाई नहीं देता हो तो भी इसमें शामिल होने मात्र से इतना पुण्य होता है कि व्यक्ति के जन्मों-जन्मों के पाप-ताप मिटने एवं एकाग्रतापूर्वक सुनकर इसका मनन-निदिध्यासन करे उसके परम कल्याण में संशय ही क्या !

7 अंतर खोजें

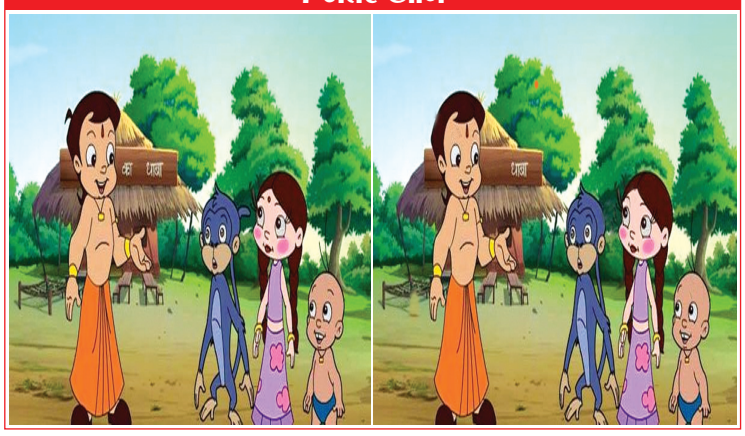

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज दोस्तों के साथ समय व्यतीत करना पसंद करेंगें। सहकर्मियों से सहयोग मिलेगा। कुछ लोग आपसे ज्यादा उम्मीद रख सकते हैं। आप उनकी उम्मीदों पर खरे भी उतरेंगे।

वृषभ

आज का दिन आपके लिए अन्य दिनों की तुलना में बेहतर रहने वाला है। यदि आज आप अपने व्यापार में स्थान परिवर्तन की योजना बना रहे हैं, तो वह आपके लिए लाभदायक रहेगा।

मिथुन

आपका दिन बेहतरीन रहेगा। इस राशि के लोग बच्चों की पढ़ाई के सिलसिले में किसी अनुभवी से सलाह लेंगे। आपको किसी काम से बाहर जाना पड़ेगा।

कर्क

परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएं। ऑफिस में आपके काम की प्रशंसा होगी। किसी करीबी से आपको बड़ी खुशखबरी मिल सकती है।

सिंह

आज का दिन आपके लिए व्यस्तता भरा रहेगा, फिर भी आज आप धर्म-कर्म के कार्यों के लिए थोड़ा समय निकालने में कामयाब रहेंगे। नवयुगल काफी खुश रहेंगे।

कन्या

दिन फायदेमंद रहेगा। आपके रूके हुए काम पूरे होंगे। आपको किसी खास दोस्त से मदद भी मिलेगी। आपके विरोधी आपसे दूरियां बनाकर रखेंगे।

तुला

पार्टनर के साथ समय बिताएं। इससे संबंध मजबूत हो सकते हैं। पारिवारिक तनावों को गम्भीरता से लें, लेकिन बेकार की चिंता सिर्फ मानसिक दबाव में ही इजाफा करेगी।

वृश्चिक

आज आपको दिन भर लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। आज आप अपने परिवार के सभी लोगों के साथ मिलकर अथवा दोस्तों के साथ किसी पार्टी का आयोजन कर सकते हैं।

धनु

आपके रुके हुए काम पूरे होंगे। आप सामाजिक कार्यों के लिए लोगों से मुलाकात करेंगे। ऑफिस में प्रतियोगिता जैसी स्थिति बन सकती है।

मकर

प्रेम-प्रसंग में आपको सफलता मिल सकती है। आपका मन प्रसन्न रहेगा। व्यापार में निकटवर्ती सहयोगी से अच्छा व्यवहार करने से आपको लाभ प्राप्त हो सकता है।

कुम्भ

आज का दिन आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहना होगा। यदि आज आप किसी सदस्य से संबंधित कोई फैसला ले, तो बहुत ही सोच विचार कर ले।

मीन

आपकी किस्मत आप पर मेहरबान रहेगी। तय समय में ही आपके सारे कार्य पूरे हो जायेंगे। आप जो भी करना चाहेंगे,उसमें लोगों का पूरा सहयोग मिलेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

मुझे शादी शब्द से डर लगता है : श्रुति हासन

श्रुति हासन अक्सर अपने लुक्स और स्टाइलिश अंदाज को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। इसके अलावा एक्ट्रेस अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा में आ जाती हैं। एक्ट्रेस काफी समय से शांतनु हजारिका के साथ रिलेशनशिप में हैं जिसे वे छुपाती नहीं है। ऐसे में कई बार एक्ट्रेस से उनकी शादी को लेकर सवाल किया जा चुका है। एक बार फिर श्रुति से उनकी शादी को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने इसपर खुलकर बात की। श्रुति हासन ने साफतौर पर कहा कि फिलहाल उनका शादी का कोई इरादा नहीं है। हिंदुस्तान टाइम्स से बात करते हुए उन्होंने कहा- शादी शब्द से मुझे बहुत डर लगता है। इसमें इतना कुछ है कि मैं वाकई में इसके बारे में सोचना नहीं चाहती। मैं उनके साथ रहकर, उनके साथ मिलकर अच्छा काम करके और साथ में अच्छा समय बिताकर खुश हूं। क्या यह ज्यादातर शादियों से बेहतर नहीं है? एक्ट्रेस अपने और अपने बॉयफ्रेंड शांतनु के रिलेशनशिप और बॉन्ड को लेकर बात करते हुए आगे कहती हैं, हम एक-दूसरे के लिए हैं और मुश्किल वक्त में एक-दूसरे का सपोर्ट करते हैं। यह बेहतर लगता है जब स्ट्रगल के दौरान आपके पास कोई होता है। यह सब कुछ अकेले निपटने से बेहतर है। मुझे नहीं लगता कि हम जो शेयर करते हैं उससे बेहतर कुछ भी है। बता दें कि श्रुति हासन हाल ही में फिल्म वाल्टेयर वीरय्या में नजर आई थीं। यह एक एक्शन ड्रामा फिल्म थी जिसे केएस रवींद्र ने डायरेक्ट किया था। फिल्म में श्रुति के अलावा चिरंजीवी और रवि तेजा भी दिखाई दिए थे। वर्कफ्रंट की बात करें तो श्रुति अब प्रभास के साथ एक्शन थ्रिलर फिल्म सालार में दिखाई देंगी।

टाइगर 3 में खुद का किसिंग सीन चाहते थे इमरान हाशमी

सलमान खान और कैटरीना कैफ की ब्लॉबस्टर फिल्म टाइगर 3 इन दिनों सिनेमाघरों में धमाल मचा रही है। फिल्म को दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। इस फिल्म में इमरान हाशमी ने भी विलन का किरदार निभाया है। उनके किरदार को भी फैंस ने खूब पसंद किया है। फिल्म की सफलता को लेकर इसकी सक्सेस इवेंट रखा गया। जहां फिल्म की पूरी स्टारकास्ट पहुंची। इस इवेंट में इमरान हाशमी ने एक खुलासा भी किया है। एक्टर को फिल्मों में किसिंग सीन करने की वजह से जाना जाता है। लेकिन सलमान की फिल्म टाइगर 3 में एक भी इंटीमेट सीन नहीं है। इसी को लेकर अब इमरान ने अपनी इच्छा जाहिर की है। उन्होंने इवेंट के दौरान कहा कि वे फिल्म में खुद का एक इंटीमेट सॉन्ग चाहते थे। दरअसल, हुआ कुछ यूं कि, इवेंट के दौरान सलमान खान इमरान के साथ किस करने की एक्टिंग करने लगते हैं।

इसके बाद इमरान किसिंग सीन का इशारा करते हुए कहते हैं कि-मैंने मनीष को बहुत बोला था कि एक मेरा ट्रैक डाल दो फिल्म में... वो ट्रैक भी और गाने का ट्रैक भी इमरान की ये बात सुन कैटरीना भी मजेदार रिएक्शन देती हैं। वे कहती हैं कि इस बार तो नहीं हो पाएगा अब नेक्स्ट टाइम, बता दें कि, टाइगर-3 इसी दिवाली 12 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। फिल्म ने 3 दिन में ही 100 करोड़ का आकड़ा पार कर लिया है। फिल्म को लेकर अब भी फैंस के बीच क्रेज देखने को मिल रहा है। फिल्म में पहली बार इमरान और सलमान की जोड़ी देखने को मिली है।

आठ साल बाद आर माधवन संग स्क्रीन शेयर करेंगी कंगना रनौत

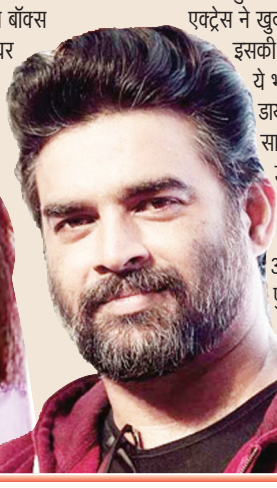

कंगना रनौत की एरियल एक्शन थ्रिलर फिल्म तेजस हाल ही में रिलीज हुई थी। फिल्म को लेकर काफी उम्मीदें थी लेकिन ये बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप रही और ये 10 करोड़ का कलेक्शन भी नहीं कर पाई। वहीं तेजस के सुपर फ्लॉप होने के बाद कंगना एक बार फिर काम में जुट गई हैं और उन्होंने अपनी अगली फिल्म पर काम भी शुरू कर दिया है। शनिवार को एक्ट्रेस ने खुद सोशल मीडिया पर इसकी अनाउंसेंट की। कंगना ने ये भी खुलासा किया कि वे डायरेक्टर ए एल विजय के साथ नई फिल्म कर रही हैं उन्होंने निर्देशक के साथ भी अपनी तस्वीर शेयर की है। इसके साथ ही उन्होंने आर माधवन के साथ अपनी पुरानी तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, वे वापस आ गए हैं। बता दें कि इससे पहले कंगना और माधवन तनु वेड्स मनु में नजर आए थे।

कंगना ने नई फिल्म की अनाउंसमेंट की

कंगना ने माइक्रोब्लॉगिंग साइट एक्स (पहले ट्विटर) पर अनाउंस किया कि उन्होंने एक फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है जो एक साइकलॉजिकल थ्रिलर है। हालांकि कंगना ने अपनी अपकमिंग फिल्म का टाइटल रिवील नहीं किया है। कंगना ने शूटिंग के मूहर्त की तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा, आज चेन्नई में हमने अपनी नई फिल्म, एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर की शूटिंग शुरू की। बाकी की डिटेल्स जल्द ही लाएंगें। फिलहाल इस बेहद असामान्य और रोमांचक स्क्रिप्ट के लिए आपके सपोर्ट और आशीर्वाद की जरूरत है, अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर कंगना ने मूहर्त शॉट की एक तस्वीर भी शेयर की है और सभी से आशीर्वाद मांगा है। इसके साथ उन्होंने लिखा, आज से शुरू हो रही हमारी नई जर्नी के लिए आप सभी के प्यार और आशीर्वाद की जरूरत है, मेरे कई फेवरेट्स के साथ।

अजब-गजब | मुगल बादशाह जहांगीर ने करवाया था इस सिक्के का निर्माण

दुनिया का सबसे बड़ा सोने का सिक्का, वजन इतना कि एक हाथ से उठा पाना है मुश्किल!

सोना एक ऐसा धातु है जिसके चाहने वाले आपको दुनिया में बहुत मिल जाएंगे। भारत में तो लोगों को सोने का इतना शौक है कि आप किसी भी राज्य में चले जाइए, आपको यहां पर समुदाय, इलाके में महिलाएं मिल जाएंगी जिनके पास सोने के गहने होंगे। गहने ही नहीं, सोने के सिक्के भी होते हैं। पर क्या आपने दुनिया के सबसे बड़े सोने के सिक्के के बारे में सुना है? माना जाता है कि दुनिया के सबसे बड़े सोने के सिक्के को मुगल बादशाह ने बनवाया था और ये इतना भारी था कि बच्चों या कमजोर लोगों के लिए उसे एक हाथ से उठा पाना काफी मुश्किल था।

दुनिया का सबसे बड़ा सोने का सिक्का मुगल बादशाह जहांगीर द्वारा बनवाया गया था। माना जाता है कि जहांगीर ने इसका जिक्र अपनी आत्मकथा तुज्क-ए-जहांगीर में भी किया था। उसने आगरा में 1 हजार तोले के शुद्ध सोने के दो सिक्के बनवाए थे जिसे उसने ईरान के राजदूत को भेंट किया था।

आखिरी बार ये सोने का सिक्का हैदराबाद के 8वें निजाम, मुकर्रम जाह के पास देखा गया था। माना जा रहा था कि 1980 के दशक में मुकर्रम जाह ने इस सिक्के को स्विस बैंक में

बेचने की कोशिश की थी क्योंकि वो दिवालिया हो गए थे। पर तब सीबीआई ने उनकी जांच की थी मगर उन्हें सिक्का नहीं मिला था।

मुकर्रम नाममात्र के निजाम थे, उन्हें ये सिक्का, हैदराबाद के आखिरी निजाम और उनके दादा मीर ओसमान अली खान से प्राप्त हुआ था। इस सिक्के को जहांगीर ने बनवाया था तो इस हिसाब से ये सिक्का करीब 400 साल पुराना है। अब भारत सरकार ने सिक्कों को खोजने के लिए 35 साल बाद दोबारा जांच शुरू करवा दी है। चलिए अब आपको बताते हैं कि इसका वजन कितना है। ये सिक्का 12 किलो का है। इसका डायमीटर करीब 21 सेंटीमीटर का है। सिक्के के बीच में जहांगीर का नाम लिखा हुआ है। आज के हिसाब से सोने के सिक्के की कीमत 7 करोड़ रुपये से भी ज्यादा है।

पटरी पर घंटों खड़ा रहता है डीजल इंजन, फिर भी नहीं किया जाता बंद, आखिर क्यों?

जब भी आप रेलवे स्टेशन जाते होंगे, तो आपने एक चीज जरूर गौर की होगी, वो ये कि ट्रेन के इंजन पटरियों पर यूं ही कई बार खड़े रहते हैं। उनके पीछे डिब्बे नहीं लगे होते। उसके बावजूद वो चालू रहते हैं। कई बार वो जब यार्ड में भी खड़े होते हैं तो भी चालू ही रहते हैं। अब ऐसे में सवाल ये उठता है कि आखिर ये डीजल इंजन चालू अवस्था में क्यों खड़े होते हैं, उन्हें बंद क्यों नहीं कर दिया जाता है, आखिर ईंधन बर्बाद करने के पीछे क्या कारण है? आज हम बात कर रहे हैं ईंजन के हर वक्त ऑन रहने के कारण की। दरअसल, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कोरा पर किसी ने सवाल किया- भारतीय रेलवे में घंटो खड़े रहने के बाद भी डीजल इंजन बंद क्यों नहीं किया जाता? कई लोगों ने इस सवाल का जवाब दिया है। अजय कुमार निगम नाम के एक व्यक्ति ने कहा-घंटों खड़े रहने पर भी डीजल इंजन को बंद नहीं किया जाता है। इसके मुख्यतः दो कारण हैं, पहला कारण थोड़ा अजीब सा है, लेकिन ऐसे वाकये हुए भी हैं, इसीलिए कोई भी रिस्क नहीं लेना चाहता है और वो कारण है कि यदि कहीं किसी यार्ड लाइन या स्टेशन पर कोई डीजल इंजन आकर खड़ा हुआ है, और सेक्शन कंट्रोलर, स्टेशन मास्टर सभी को पता है कि अगले कुछ घंटों तक लाइन क्लियर नहीं है लेकिन यदि इस इंजन को बंद किया गया, और सामान्य या किसी आपात स्थिति में दोबारा चालू करते वक्त ये सही समय से चालू नहीं किया जा सका, जैसे कि बैटरी डिस्चार्ज होने के कारण इत्यादि, तो होने वाली विलम्ब का दोषी सर्वप्रथम उसे ठहराया जाएगा जिसने इंजन बन्द करने का आदेश दिया था। डीजल इंजिनों को बंद नहीं करने का दूसरा, और ज्यादा महत्वपूर्ण कारण है कि यदि इंजन के साथ गाड़ी, और विशेषकर कोई मालगाड़ी है, तब उसे बंद करने से पहले इंजन की ही तरह से मालगाड़ी को भी सुरक्षित करना पड़ेगा, क्योंकि यदि इंजन ज्यादा देर तक बंद रहा तो ब्रेकिंग के लिये इस्तेमाल होने वाला हवा का दबाव पूरी तरह से शून्य होने के कारण गाड़ी यदि ढलान वाली लाइन पर है तो वह लुढ़क कर दुर्घटना का कारण बन सकती है। इन सबके अतिरिक्त डीजल इंजिनों को सर्दियों के समय उन पहाड़ी इलाकों में भी बंद नहीं किया जाता जहां वातावरण में तापमान 4 डिग्री सेल्सियस या कम होने की संभावना हो, क्योंकि उस स्थिति में इंजन की पानी की पाइप लाइन में पानी बर्फ बनना शुरू होकर जोड़ों और कमजोर जगहों पर पाइप लाइन को नुकसान पहुंचा सकता है। ये तो आम लोगों द्वारा दिया गया जवाब है। पर चलिए आपको विश्वस्नीय सोर्सेज से बताते हैं कि असल में इसका सही उत्तर क्या है। ड्राइव स्पार्क वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार अगर डीजल इंजनों को काफी देर तक बंद किया गया तो उसे फिर से चलाने में काफी समय लगता है क्योंकि ब्रेक लाइन को दोबारा प्रेशर जेनरेट करने में वक्त लगता है। पर्याप्त प्रेशर ना होने की वजह से ब्रेक ठीक से नहीं लग पाते हैं। आपको बता दें कि इंजन ठंडा पड़ जाने की वजह से कई बार 20-30 मिनट में स्टार्ट होता है।

डबल इंजन की सरकार को 24 में कर देंगे फेल: राहुल

पीएम मोदी को देश की आम जनता से कोई मतलब नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दौसा। दौसा के राजेश पायलट स्टेडियम में राहुल गांधी ने एक बड़ी जनसभा को संबोधित किया। राहुल गांधी ने अपनी सभाओं के दौरान पीएम मोदी पर जमकर हमले किए। इस दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भाजपा के डबल इंजन वाली सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 'भाजपा वाले कहते है डबल इंजन-डबल इंजन जबकि हमने एक इंजन हिमाचल में और दूसरा कर्नाटक में सीज कर दिया है। बाकी का इंजन हम 2024 में फेल कर देंगे। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी को देश की आम जनता से कोई मतलब नहीं है। जहां उन्होंने दौसा की रैली में ओबीसी, दलित और आदिवासियों को फोकस करते हुए कहा कि भारत माता आप लोग ही हैं। इसी के साथ दलितों के हितों की रक्षा के लिए जातिगत जनगणना को जरूरी बताया।

राहुल गांधी ने कहा कि छत्तीसगढ़ व राजस्थान में हमारी सरकार बनेगी। राहुल गांधी ने अपने भाषण में कहा कि पीएम मोदी हर बार भारत माता की जय के नारे लगाते हैं, लेकिन मैं जानना चाहता हूं कि भारत माता कौन है? भारत माता में कौन-कौन लोग रहते हैं? आखिर पता तो चले पीएम मोदी के अनुसार कितने आदिवासी, दलित, पिछड़ा और कितने गरीब-अमीर रहते हैं। वे केवल अपने उद्योगपति मित्रों के लिए काम करते हैं।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने उद्योगपति मित्रों का 14 लाख करोड़ रुपए का कर्ज माफ किया है। राहुल गांधी ने जातिगत गणना की वकालत करते हुए कहा कि देश में 50 परसेंट आबादी पिछड़ों की है। लेकिन देश को चलाने में दलितों की कोई भूमिका नहीं है।

मप्र में एक्शन में कांग्रेस पार्टी, नियम के विरुद्ध काम करने वालों की मांगी जानकारी

चुनाव के बाद मध्य प्रदेश कांग्रेस एक्शन में आ गई है। कांग्रेस के प्रत्याशियों से चुनाव में नियम विरुद्ध काम करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों की जानकारी मांगी है। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए सभी 230 सीटों पर मतदान हो गए हैं। इसके बाद अब कांग्रेस ने चुनाव में नियम विरुद्ध और कांग्रेस के खिलाफ काम करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों की जानकारी एकत्रित करना शुरू कर दिया है। मध्य प्रदेश कांग्रेस ने इसके लिए प्रदेश के सभी कांग्रेस प्रत्याशियों ने 30 नवंबर तक जानकारी मांगी है। पीसीसी चीफ कमलनाथ के आदेश पर उपाध्यक्ष संगठन प्रभारी राजीव सिंह ने सभी कांग्रेस के प्रत्याशियों को पत्र जारी किया है। इसमें कांग्रेस के खिलाफ काम करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों की जानकारी 30 नवंबर तक मुख्यालय भेजने को कहा गया है। बता दें मतदान के दिन प्रदेश कांग्रेस की लीगल टीम को शिकायतें मिली थीं। इसमें कई जगह अधिकारी और कर्मचारी भाजपा को लाभ पहुंचाने के काम करने की शिकायतें शामिल हैं। ऐसे अधिकारियों का नाम, पद और स्थान की जानकारी भेजने को कहा गया है।

जजपा ने पकड़ी भाजपा से अलग राह, अकेले दम पर लड़ेगी चुनाव

हरियाणा में भाजपा-जजपा गठबंधन टूटने की अटकलों के बीच अब जननायक जनता पार्टी (जजपा) ने साफ कर दिया है कि वह विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी। विधानसभा चुनाव को लेकर जजपा ने नया पोस्टर भी लॉन्च कर दिया है। पोस्टर में लिखा है कि अबकी बार हरियाणा की पुकार, देवीलाल के सपनों की सरकार। इससे पहले प्रदेश में भाजपा के हरियाणा प्रभारी और अन्य नेताओं द्वारा भी जजपा को लेकर तल्ख बयान दिए जा चुके हैं। हालांकि, मुख्यमंत्री मनोहर लाल और पूर्व प्रदेशाध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ कहते हैं कि यह चुनावी गठबंधन नहीं है, बल्कि सरकार चलाने के लिए गठबंधन है। वहीं, भाजपा के ही नेता चौधरी बीरेंद्र सिंह भी लगातार जजपा को लेकर तीखे बयान देते रहे हैं। राजस्थान में भाजपा के साथ गठबंधन नहीं होने के चलते जजपा ने अकेले ही अपने उम्मीदवार मैदान में उतारे। ऐसे में ये साफ हो गया है कि हरियाणा में भी अब जजपा और भाजपा अकेले ही मैदान में उतरेंगे। इसको लेकर जजपा ने नया पोस्टर जारी कर दिया है। पोस्टर में ताऊ देवीलाल, डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला और डॉ. भीमराव आंबेडकर के फोटो हैं और लिखा है कि इस बार हरियाणा में देवीलाल के सपनों की सरकार।

सभी को विश्वास में लूंगा: विजयेंद्र

बोले- कर्नाटक भाजपा में सब कुछ ठीक हो जाएगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मांड्या (कर्नाटक)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष के रूप में अपनी नियुक्ति को लेकर नेताओं के एक वर्ग में नाराजगी के बीच बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि सब कुछ ठीक हो जाएगा और पार्टी के वरिष्ठ विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल सहित हर नेता को विश्वास में लिया जायेगा।

यतनाल ने पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा के बेटे विजयेंद्र को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा है कि अगर भाजपा एक परिवार की पार्टी बन जाएगी, तो पार्टी कार्यकर्ता और हिंदुत्ववादी कार्यकर्ता इसे स्वीकार नहीं करेंगे। विजयेंद्र ने कहा कि पार्टी में हर किसी को अपनी राय व्यक्त करने की आजादी है और भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व और राज्य इकाई के वरिष्ठ नेता आंतरिक रूप से सभी मुद्दों पर चर्चा करेंगे और समाधान निकालेंगे। यतनाल की नाराजगी से जुड़े सवाल पर विजयेंद्र ने कहा, ''आप वरिष्ठ नेता यतनाल के बयानों की गलत व्याख्या कर रहे हैं। उन्हें अपनी राय व्यक्त करने की आजादी है। यह भाजपा है, एक राष्ट्रीय पार्टी है। हर नेता की अपनी राय है और सभी की राय के आधार पर हमारा केंद्रीय नेतृत्व फैसला करेगा। भाजपा के वरिष्ठ विधायक रमेश जारकीहोली की कथित नाराजगी के बारे में एक सवाल पर उन्होंने कहा कि सब ठीक है, सब ठीक होगा। चिंता की कोई बात नहीं है।

फोटो: 4पीएम

बैठक भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय पर क्षेत्रीय अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष व पदाधिकारी की बैठक का दीप जलाकर शुभारंभ करते प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी व संगठन मंत्री धर्मपाल।

सात लोगों की हत्या के मामले में माफिया बृजेश सिंह बरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंदौली। पूर्वांचल के माफिया डान व पूर्व एमएलसी बृजेश सिंह को बड़ी राहत मिली है। चंदौली जिले में 37 साल पहले एक ही परिवार के सात लोगों की हत्या के मामले में हाईकोर्ट से भी बृजेश सिंह बरी हुआ, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बृजेश सिंह के मामले में निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखा, हाईकोर्ट ने माफिया बृजेश सिंह समेत 9 आरोपियों को आरोप मुक्त करते हुए उन्हें सजा दिए जाने से इंकार किया।

हालांकि इसी मामले में हाईकोर्ट ने बृजेश सिंह के साथ आरोपी बनाए गए चार अन्य लोगों को आजीवन कारावास की सजा दी है। यह चारों आरोपी भी बृजेश सिंह के साथ निचली अदालत से बरी हो गए थे। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने चार आरोपी देवेंद्र सिंह, वकील सिंह, राकेश सिंह और पंचम सिंह को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है. अदालत ने अपने फैसले में कहा है कि इन चारों आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त आधार है इसलिए इन्हें आजीवन कारावास की सजा दी जाती है। एक ही परिवार के सात लोगों की सामूहिक हत्या में इन्हीं चारों आरोपियों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। हाईकोर्ट ने टिप्पणी करते हुए यह भी कहा है कि इन चारों आरोपियों को छोड़ा जाना सही नहीं था।

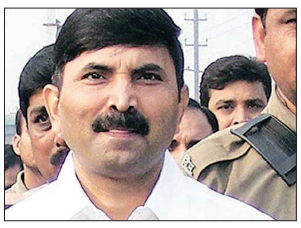

अधिकार सेना ने राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग से की शिकायत

हलाल सर्टिफिकेट मामले में यूपी सरकार पर राजनीति करने का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा हलाल सर्टिफिकेट को बैन किए जाने और हलाल सर्टिफिकेट लिखे खाद्य एवं अन्य सामग्रियों पर कानूनी कार्रवाई किए जाने के आदेश के संबंध में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग को शिकायत भेजी है।

अपनी शिकायत में उन्होंने कहा है कि यह आदेश प्रथमदृष्टया विधि सम्मत नहीं दिखता है, उन्होंने कहा कि खाद्य पदार्थ, औषधि, चिकित्सा सामग्री, प्रसाधन आदि से जुड़े किसी भी कानून में ऐसा लिखा नहीं दिखता है कि कोई कंपनी उन कानून में अपनी ओर से कोई और सर्टिफिकेट या मापन नहीं लिख सकता है। अत: यह सही है कि खाद्य पदार्थ, औषधि, चिकित्सा सामग्री, प्रसाधन आदि से जुड़े कानून में अलग से हलाल सर्टिफिकेट की व्यवस्था नहीं है किंतु इसका यह अर्थ नहीं दिखता है कि यदि कोई व्यक्ति इस प्रकार से हलाल सर्टिफिकेट लिखता है तो वह गैरकानूनी माना जाए और उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए। अमिताभ ठाकुर ने कहा कि इन तथ्यों से प्रथमदृष्टया ऐसा लगता है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने जानबूझकर मात्र राजनीतिक कारणों से इन हलाल सर्टिफिकेट वाले पदार्थों पर बैन लगाते हुए उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की बात कही है और ऐसे कानूनी कारवाइयां शुरू कर दी है। अत: उन्होंने राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग से इन तथ्यों का संज्ञान लेते हुए उनके संबंध में तत्काल सम्यक कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

योगी सरकार के फैसले के खिलाफ कोर्ट जाएगा हलाल ट्रस्ट, सीईओ नियाज अहमद ने पाबंदी को बताया गलत

सहारनपुर। जमीयत उलमा-ए-हिंद हलाल ट्रस्ट के सीईओ नियाज अहमद फारुकी ने यूपी में हलाल लिखे उत्पादों की बिक्री पर शासन द्वारा प्रतिबंध लगाने को गलत करार दिया है। उन्होंने कहा कि वह इस मुद्दे को लेकर कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे। जमीयत उलमा-ए-हिंद हलाल ट्रस्ट के सीईओ नियाज अहमद फारुकी ने कहा कि हलाल ट्रस्ट में प्रमाणन प्रक्रिया भारत में निर्यात के उद्देश्यों और घरेलू वितरण दोनों के लिए निर्माताओं की आवश्यकताओं के अनुरूप है। हलाल प्रमाणित उत्पादों की वैश्विक मांग मजबूत है और भारतीय कंपनियों के लिए ऐसा प्रमाणन प्राप्त करना अनिवार्य है, यह तथ्य हमारे वाणिज्य मंत्रालय द्वारा भी निर्दिष्ट है। उन्होंने कहा कि यह उपभोक्ताओं को उन उत्पादों का उपयोग करने से बचाता है जो वे कई कारणों से नहीं चाहते हैं। इसलिए यह प्रमाणन बाजार में आवश्यकता आधारित उत्पादों की उपलब्धता सुनिश्चित करता है। हलाल प्रमाणीकरण हमारे देश को लाभ पहुंचाने वाली एक महत्वपूर्ण आर्थिक गतिविधि है। मौलाना नियाज फारुकी ने कहा कि सभी हलाल प्रमाणन निकायों को एनएबीसीबी (भारतीय गुणवत्ता परिषद के तहत प्रमाणन निकायों के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड) द्वारा पंजीकृत होना आवश्यक है, जोकि जमीयत उलमा-ए-हिंद हलाल ट्रस्ट ने हासिल किया हुआ है।

ऑस्ट्रेलिया बना विश्व क्रिकेट का बादशाह

भारत को हराकर छठी बार जीता कप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कहते है तकदीर में जो लिखा होता है उसे वो ही मिलकर रहता है। ऐसा ही कुछ वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में देखने को मिला, जिससे 130 करोड़ भारतीय फैंस का न सिर्फ दिल टूटा, बल्कि उनकी विश्व कप जीतने की आस भी चकनाचूर हो गई। इस टूर्नामेंट में लगातार 10 मैचों में जीत हासिल करने वाली भारतीय टीम को फाइनल मैच में 6 विकेट से करारी शिकस्त मिली। जहां ऑस्ट्रेलियाई टीम ने फाइनल मैच में तीनों विभाग में कमाल का प्रदर्शन किया।

कंगारू गेंदबाजों ने अपने काम को अच्छे से निभाया, तो फील्डर्स ने भी कोई चूक नहीं की। वहीं, बल्लेबाजी में ट्रेविस हेड ने शतक जमाकर उनका काम आसान कर दिया। इस तरह ऑस्ट्रेलिया ने 241 रन के लक्ष्य को 43 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने इस जीत के साथ ही छठा विश्व कप का टाइटल उठाया। भले ही भारतीय टीम एक बार फिर से विश्व चैंपियन बनने से रह गई, लेकिन इस टूर्नामेंट में विराट कोहली और मोहम्मद शमी ने इतिहास रच दिया। उन्होंने इस मामले में ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाड़ियों को भी पीछे छोड़ दिया।

कोहली व शमी ने रचा इतिहास

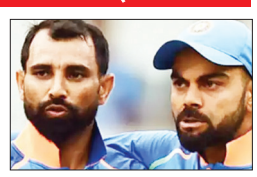

भारतीय टीम की तरफ से विराट कोहली और मोहम्मद शमी ने विश्व कप 2023 का अंत शानदार तरीके से किया। विराट कोहली जहां इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने तो वहीं, शमी सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने। दोनों ही खिलाड़ियों ने भारत की धरती पर खेले गए इस मेगा इवेंट में अपने प्रदर्शन से जमकर महफिल लूटी। किंग कोहली ने पूरे विश्व कप में कई रिकॉर्ड्स तोड़ और 11 मैचों में 95 की एवरेज और 90 की स्ट्राइक रेट से 3 शतक और 6 हाफ सेंचुरी जमाई। उन्होंने महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के महारिकॉर्ड को धराशायी किया। विराट कोहली अब वनडे में सबसे ज्यादा शतक जमाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इसके अलावा सचिन तेंदुलकर का 20 साल पुराना रिकॉर्ड ध्वस्त किया। विराट कोहली एक विश्व कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं। दूसरी तरफ मोहम्मद शमीने वनडे में कई रिकॉर्ड्स बनाए। मोहम्मद शमी पहले भारतीय गेंदबाज बन गए हैं, जिन्होंने वनडे में 7 विकेट झटके। शमी ने स्टुअर्ट बिन्नी का रिकॉर्ड भी तोड़ा, जो उन्होंने साल 2014 में बनाया था। शमी इसके साथ ही विश्वकप के इतिहास में 4 बार फाइव विकेट हॉल लेने गेंदबाज बने।

फोटो : 4 पीएम

उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ छठ व्रत का समापन

लखनऊ। सोमवार को छठ का चौथा और आखिरी दिन उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ समाप्त हो गया। आज सुबह से ही घाटों और पानी में व्रती महिलाएं उगते सूर्य को अर्घ्य देने के लिए खड़ी रहीं। व्रती फल और प्रसाद से भरा दउरा-सूप लेकर भगवान भास्कर की उपासना करती दिखीं, अर्घ्य देने और पूजा करने के बाद प्रसाद ग्रहण कर 36 घंटे का निर्जला व्रत पूरा हुआ। इसी के साथ महापर्व छठ का समापन हो गया।

टनल हादसे पर गरमाई सियासत कांग्रेस ने उठाये सवाल

बीजेपी सरकार कर रही सिर्फ हवा-हवाई बातें : करण मेहरा

» बोली- मजदूर धीरे-धीरे मौत की तरफ बढ़ रहे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तरकाशी टनल हादसे में फंसे मजदूरों को आज 9 दिन बीत चुके हैं। 41 मजदूर जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहे हैं। अब इस मामले में राजनीति भी शुरू हो गई है, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करण मेहरा ने आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार केवल हवा-हवाई बातें कर रही है, मजदूर धीरे-धीरे मौत की तरफ बढ़ रहे हैं, उन्होंने कहा कि सरकार ठेका कंपनी के खिलाफ जांच करने से बच रही है।

उत्तरकाशी टनल हादसे पर कांग्रेस हमलावर हो गई है, प्रदेश अध्यक्ष करण मेहरा ने राज्य और केंद्र सरकार पर जोरदार हमला बोला है, उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार लगातार लोगों से झूठ बोलती आ रही है, पिछले 9 दिनों से रोज बताया जा रहा है कि मजदूर आज निकल जाएंगे, लेकिन ऐसा कुछ दिखाई नहीं दे रहा है, मजदूरों तक पहुंचने में अभी तीन से चार दिन और लगने वाले है, लेकिन राज्य सरकार लगातार झूठ परोसती आ रही है, उन्होंने टनल हादसे पर सरकार से सवाल किया है कि सरकार इस हादसे में जिम्मेदारी तय से क्यों बच रही है। उन्होंने कहा कि जिस कंपनी ने टनल बनाने का काम शुरू किया है उसके ऊपर पहले से ही गंभीर आरोप लग रहे हैं। उन्होंने आगे कि इस स्थान पर पहले भी कई बार हादसे हो चुके हैं। लेकिन उनकी जांच फाइल दबा दी गई। करण मेहरा ने कहा कि हम टनल में फंसे हुए मजदूरों की सलामती के लिए यज्ञ करने जा रहे हैं।

लखनऊ के एक मंदिर में कांग्रेस ने श्रमिकों के शीघ्र टनल से स्वस्थ वापस आने के लिए सुबह से प्रार्थना व यज्ञ किया

कांग्रेस लोगों को भ्रमित कर रही : भाजपा

कांग्रेस के आरोपों पर बीजेपी ने पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस सिर्फ दिखावा कर लोगों को भ्रमित करना चाहती है। जबकि राज्य सरकार लगातार इस विषय पर काम कर रही है न केवल राज्य सरकार बल्कि केंद्र सरकार भी लगातार इस पर नजर बनाए हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से लगातार फोन के माध्यम से संपर्क में हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय के कई अधिकारी टनल के पास मौजूद हैं. लेकिन कांग्रेस ऐसे मामलों में भी राजनीति करने से बाज नहीं आ रही है।

बचाव कार्य जारी : ऑक्सीजन, पानी और पौष्टिक भोजन पहुंचाया गया

नौ दिन से ज्यादा सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों को अब तक निकालने में सफलता नही मिली है। हालांकि शासन प्रशासन युद्धस्तर पर बचाव और राहत अभियान जारी रखा है। ज्ञात हो कि महत्वाकांक्षी चारधाम सड़क परियोजना के तहत यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर बन रही साढ़े चार किलोमीटर लंबी सिलक्यारा सुरंग का एक हिस्सा ढहने से उसके अंदर काम कर रहे 41 श्रमिक फंस गए। सुरंग में फंसे श्रमिक सुरक्षित हैं और उन्हें ऑक्सीजन, पौष्टिक भोजन और पानी उपलब्ध करवाया जा रहा है। धामी ने उन्हें यह भी बताया कि उन्होंने स्वयं मौके पर जाकर स्थलीय निरीक्षण किया है और बचाव कार्यों पर भी लगातार नजर रखे हुए हैं। उन्होंने कहा कि सुरंग के अंदर फंसे सभी मजदूर सुरक्षित हैं और उन्हें जल्द बाहर निकलने की पूरी कोशिश की जा रही है। उन्होंने बताया कि मौके पर कई मेडिकल टीम तैनात कर दी गई हैं।

केंद्र सरकार को मिली सुप्रीम नोटिस

» केरल सरकार की राज्यपाल के खिलाफ याचिका पर कोर्ट ने मांगा जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केरल सरकार की याचिका पर केंद्र सरकार और केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। बता दें कि याचिका में केरल सरकार ने राज्यपाल के खिलाफ आरोप लगाया है कि वह राज्य विधानसभा चुनाव द्वारा पास कई विधेयकों को मंजूरी नहीं दे रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेपी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने वरिष्ठ वकील केके वेणुगोपाल के सबमिशन पर यह नोटिस जारी किया है। सबमिशन में केके वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि राज्यपाल राज्य विधानसभा द्वारा पारित आठ विधेयकों को मंजूरी नहीं दे रहे हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमानी को नोटिस जारी कर पूछा है कि या तो वह या फिर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता सुनवाई में शामिल हों। सुप्रीम कोर्ट अब इस मामले पर शुक्रवार को अगली सुनवाई करेगा।

विशाखापत्तनम के फिशिंग हार्बर में ब्लास्ट

» आग में 23 नावें जलकर राख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

विशाखापत्तनम। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम के फिशिंग हार्बर में जबरदस्त आग लगी है। आग की चपेट में आने से करीब 40 नावें जलकर राख हो गई हैं। बताया जा रहा है कि इस आग में लगभग 30 करोड़ रुपये के नुकसान की आशंका है। मछुआरों को शक है कि कुछ शरारती तत्वों ने नावों में आग लगाई है।

दरअसल, आग लगने के बाद नावों में धमाके भी सुनने को मिले। विशाखापत्तनम में सोमवार तड़के एक घाट क्षेत्र में आग लगने से मछली पकड़ने वाली कम से कम 15 नौका जलकर खाक हो गईं। अधिकारियों ने बताया कि आग लगने के कारण का अभी तक पता नहीं चल पाया है। उन्होंने बताया कि देर रात करीब एक बजे लगी आग पर सुबह चार बजे तक काबू पा लिया गया। जिला अग्निशमन अधिकारी एस.रेणुकय्या ने बताया कि आग शहर के घाट क्षेत्र में लगी जहां मछली पकड़ने वाली नौकाएं थीं, उन्होंने बताया कि आग लगने की सूचना मिलने के बाद दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे।

जयपुर से बेंगलुरु जा रही इंडिगो की फ्लाइट में बवाल

शर्मनाक: नशे में धुत्त यात्री ने विमान चालक दल के साथ की अभद्रता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जयपुर से बेंगलुरु की 6ई 556 फ्लाइट में एक नशे में धुत्त यात्री द्वारा चालक दल के साथ दुर्व्यवहार करने की बात सामने आई है। कंपनी ने बयान जारी कर कहा कि कई चेतावनियों के बावजूद यात्री के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के लिए विमान के लैंड होने पर स्थानीय कानून प्रवर्तन अधिकारियों को सौंप दिया गया।

प्लाइट में ऐसी घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं। कंपनी ने बयान जारी कर कहा कि कई चेतावनियों के बावजूद यात्री के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के लिए विमान के लैंड होने पर स्थानीय कानून प्रवर्तन अधिकारियों को सौंप दिया गया। दो दिन पहले भी इंडिगो की ही एक फ्लाइट में महिला से छेड़छाड़ का मामला सामने आया था। दरअसल, उदयपुर से इंदौर आ रही फ्लाइट में एक महिला के साथ बैठके एक शख्स ने गंदी हरकत की थी। इसके बाद महिला ने पुलिस के समक्ष शिकायत भी की, जिसके बाद पुलिस ने एयरपोर्ट अथॉरिटी से पूछताछ भी की।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।